RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:245। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (सोमवार) 27 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

टीएमसी का घमंड टूटा: मोदी

• 'भाजपा की जीत तय'

ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं, छोटे-छोटे नेता खुद को सरकार समझते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

बनगांव। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बनगांव की रैली में कहा कि पहले फेज के मतदान में TMC का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। पीएम ने आरोप लगाया कि त्रस्ट शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं।

पीएम ने कहा, '15 साल पहले TMC 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन

शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर ये लोग ये शब्द बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। TMC के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है।' पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी।

सीएम ने कहा- बंगाल की महिलाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस बात से दिखती है कि हमने संदेशखाली पीड़िता और आरजी कर डॉक्टर की मां को चुनावी टिकट दिया है। TMC की निर्मम सरकार बंगाल की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी रहती है। अब समय आ गया है कि बंगाल की जनता कहे- अब और नहीं सहेंगे। पीएम ने कहा- 4 मई के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार बनने पर महिलाओं के साथ रेप और अत्याचार

> दीदी ने बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर किया है। टीएमसी के महाजंगलराज में छोटे से छोटा नेता और छोटे से छोटा गुंडा भी खुद को सरकार समझता है।

करने वाले अपराधियों को कानून के कठघरे में लाया जाएगा।

सिपाही पासिंग आउट परेड में बोले सीएम योगी- प्रदेश में खत्म हुआ माफियाराज

'अब यहां नहीं होते दंगे'

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरक्षी प्रशिक्षण के दौरान बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण व अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकत है। इन सबको समाहित करते हुए देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना वर्दीधारी बल का सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद के जीवन में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आती है। सीएम योगी रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। रिजर्व पुलिस लाइन में हुए आयोजन में सीएम ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी भी ली। सीएम ने प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने वाली महिला आरक्षियों को बधाई दी और कहा कि सभी ने लगन व अनुशासन के साथ कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब आप सबको जनपदों की फील्ड ड्यूटी में जाना है। याद रखिए, कानून अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आरक्षी प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल व

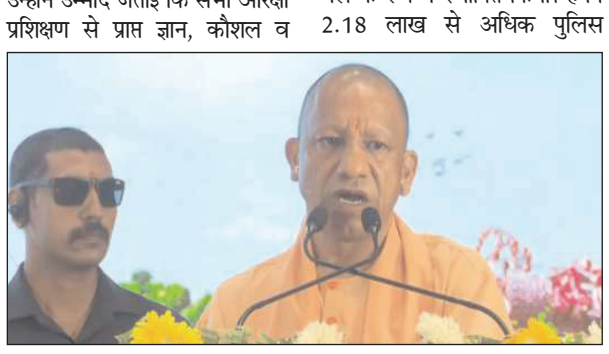

कई प्रशिक्षण केंद्रों में जाकर देखा, अब बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश के 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइंस, 29 पीएसी बटालियनों, 112 रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों में एक साथ आरक्षी दीक्षांत परेड आयोजित की जा रही है।

15 जून 2025 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। 21 जुलाई से इनका प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस दौरान मैं भी विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में गया और देखा कि प्रशिक्षण व सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं।

मूल्यों का उपयोग करते हुए निष्ठा, ईमानदारी व कर्तव्य परायणता से यूपी पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी पुलिस के सामने चुनौती व संकट था, लेकिन हमने इसे देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित किया। हमने 2.18 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती और 1 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया।

मन की बात : प्रधानमंत्री ने गुरुदेव को याद करने से लेकर ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियां साझा की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने क्मन की बात' कार्यक्रम में रविवार को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को याद करते हुए उन्हें बहु आयामी प्रतिभा के धनी, लेखक और महान विचारक बताया और कहा कि उन्होंने कई प्रसिद्ध संस्थाओं को आकार दिया। प्रधानमंत्री ने शांति निकेतन की अपनी यात्रा को अविस्मरणीय बताया। 9 मई रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम से देश की ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दो बड़ी उपलब्धियां साझा की। उन्होंने तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा क्रिटिकलिटी हासिल करने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। साथ ही पवन ऊर्जा क्षेत्र में देश की

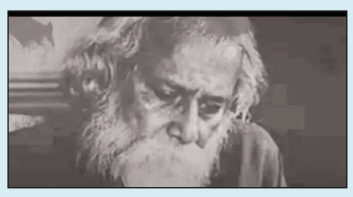

उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंचने की उपलब्धि का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात' के 133वें एपिसोड में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी उपलब्धि को भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने देश के अलग-अलग राज्यों में पवन ऊर्जा क्षमता के विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पिछले 1 साल में देश ने 6 गीगावॉट क्षमता बढ़ाई है। इससे देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंच गई है।

छत्तीसगढ़ के 47 नक्सलियों ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

• आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने 32 हथियार भी सौंपे हैं

एजेंसी

हैदराबाद। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (नक्सली) के विभिन्न रैंकों के 47 भूमिगत कैडरों ने यहां तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवाधर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में हेमला आयथु उर्फ विज्जा (दक्षिण बस्तर प्रभारी) और पोडियम लाचु उर्फ मनोज (9वीं प्लाटून के कमांडर) जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ये सभी 47 कैडर छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी हैं। प्रत्येक आत्मसमर्पण करने वाले कैडर को 25,000 रुपये की अंतरिम राहत राशि सौंपी गई है।

• डीजीपी बी. रेड्डी ने बताया कि इस वर्ष अब तक तेलंगाना में कुल 260 भूमिगत नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने 32 हथियार भी सौंपे हैं, जिनमें एक लाइट मशीन गन (एलएमजी) और चार एके-47 राइफलें शामिल हैं। इसके अलावा, विभिन्न क्षमता के 515 जिंदा कारतूस भी जमा किए गए।

लोकतंत्र के महापर्व पर बोले धानी मीडिया के ग्रुप एडिटर पवन माकन: जिम्मेदारी से भागना विकल्प नहीं, एकजुटता ही देश का भविष्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश में जारी लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव 'मतदान' के अवसर पर आज धानी मीडिया समूह के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने न केवल नागरिक कर्तव्यों की बात की, बल्कि देश की वर्तमान राजनीतिक दिशा पर भी एक गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण साझा किया।

एकजुटता और देश सेवा का आह्वान

पवन माकन ने दो टूक शब्दों में कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत केवल वोटों में नहीं, बल्कि चुने हुए प्रतिनिधियों की नीयत में होती है। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहा, 'आज समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल अपनी विचारधाराओं के मतभेदों को पीछे छोड़कर राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ एकजुट हों। लोकतंत्र हमें अधिकार देता है, तो साथ ही एक बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपता है। '

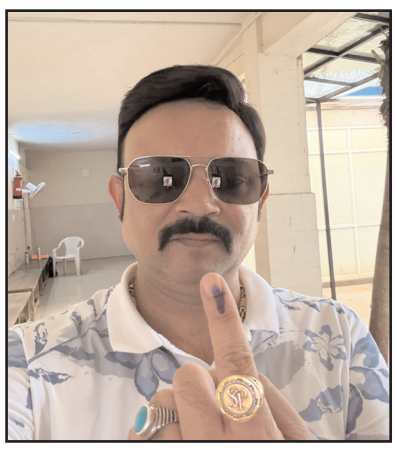

'जिम्मेदारी से भागना मुमकिन नहीं '

लोकतंत्र में जवाबदेही पर जोर देते हुए ग्रुप एडिटर ने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति या संस्था अपनी सामाजिक और संवैधानिक जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हर नागरिक और हर नेता को यह स्वीकार करना होगा कि देश के प्रति उनकी भूमिका अनिवार्य है। अगर हमें भारत के लिए एक नई और सकारात्मक दिशा तय करनी है, तो इसकी शुरुआत खुद की जिम्मेदारी स्वीकार करने से होगी।

नई दिशा की जरूरत

पवन माकन ने अपने संदेश में इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राजनीति केवल सत्ता हासिल करने का साधन नहीं, बल्कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस चुनाव के परिणाम देश को विकास और एकता के एक नए युग की ओर ले जाएंगे।

महानगर मेट्रो की विशेष रिपोर्ट

ग्रुप एडिटर पवन माकन का यह आह्वान राजनीति के गलियारों में एक नई बहस को जन्म दे रहा है—क्या हमारे राजनीतिक दल व्यक्तिगत और दलीय हितों से ऊपर उठकर वास्तव में राष्ट्रहित में एक मंच पर आ पाएंगे?

यूपी के 50 जिलों में लू

एमपी के इंदौर-ग्वालियर में 8वीं तक के स्कूल बंद, बिहार के 10 जिलों में बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में भीषण गर्मी का असर तेज हो गया है। उत्तर प्रदेश के 50 जिलों में लू चल रही है। प्रदेश का बांदा शनिवार को देश में सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।बिहार के कई जिलों में रविवार को मौसम ने करवट ली। सुपौल, रक्सौल और मधुबनी समेत 10 जिलों में तेज बारिश हुई। दरभंगा में काले बादल से दिन में अंधेरा छा गया। किशनगंज में तेज आंधी और बारिश की वजह कई जगह पेड़ उखड़ गए। मध्य प्रदेश के इंदौर और ग्वालियर जिले में आंगनवाड़ी केंद्र और 8वीं तक के सभी स्कूल 27 से 30 अप्रैल तक बंद रहेंगे। हिमाचल प्रदेश के ऊना में तापमान 42.2°C रहा। यहां 27 अप्रैल से बारिश का अनुमान भी है। गर्मी बढ़ने के साथ देश में बिजली की मांग 252.07 गीगावॉट (GW) तक पहुंच गई, जो अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले मई 2024 में 250 GW का रिकॉर्ड बना था। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में हीटवेव और वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है।

केदारनाथ धाम में आस्था का सैलाब

• चार दिनों में 1.24 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में इस वर्ष यात्रा की शुरुआत के साथ ही अभूतपूर्व श्रद्धालु संख्या दर्ज की जा रही है। मात्र चार दिनों में ही 1,24,782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जो देशभर में धार्मिक आस्था के बढ़ते रुझान को दर्शाता है। बाबा केदार के 22 अप्रैल से कपाट खुले हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 24 अप्रैल सायं 5 बजे से 25 अप्रैल सायं 5 बजे तक 31,160 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इनमें 21,035 पुरुष, 9,993 महिलाएं और 132 बच्चे शामिल हैं। कपाट खुलने के बाद मात्र चार दिनों के भीतर ही रिकॉर्ड 1,24,782 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं।

• यह आंकड़ा न केवल श्रद्धालुओं के उत्साह को दर्शाता है, बल्कि यात्रा व्यवस्थाओं की मजबूती और सुव्यवस्थित संचालन को भी प्रमाणित करता है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

अग्रिम जमानत भले खारिज करें, पर सरेंडर का आदेश नहीं दे सकतीं अदालतें

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह मामला धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी एक व्यक्ति की ओर से दायर की गई विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम

जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है। लेकिन अदालत के पास यह कहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अनिवार्य रूप से सरेंडर करे। रिपोर्ट के अनुसार, मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धारा 323 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचाना, 420-धोखाधड़ी, 468 यानी धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और 471-जाली दस्तावेज का उपयोग शामिल हैं।

झारखंड से जुड़ा है मामला

यह पूरा मामला झारखंड हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश से उपजा था। हाई कोर्ट ने भूमि विवाद से संबंधित एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका खारिज करने के साथ ही हाई कोर्ट ने आरोपी को निर्देश दिया था कि वह निचली अदालत के सामने आत्मसमर्पण करे और नियमित जमानत के लिए आवेदन करे।

जैन मुनि और हीरा व्यापारियों पर गिरा 'हूडिया गैंग' का जाल; करोड़ों के 'तोड़' का काला चिट्ठा जल्द होगा उजागर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सपनों की नगरी मुंबई में अपराध के नए और शातिर चेहरों ने धर्म और व्यापार के गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। सूत्रों के हवाले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है– हार्दिक हुडिया, जगत पारेख और विक्रम बाफना की तिकड़ी ने अपने गिरोह के साथ मिलकर मासूम लोगों को ठगने का एक खतरनाक साम्राज्य खड़ा कर लिया है।

धर्म की आड़ में अधर्म का खेल

इस गिरोह की कार्यप्रणाली इतनी शातिर है कि इन्होंने समाज के सबसे प्रतिष्ठित जैन मुनियों और बड़े हीरा व्यापारियों को अपना निशाना बनाया। भरोसे की बुनियाद पर टिके इन क्षेत्रों में सेंध लगाकर, 'हूडिया गैंग' ने करोड़ों रुपए के 'तोड़' (उगाही) को अंजाम दिया है। यह सिर्फ ठगी नहीं,

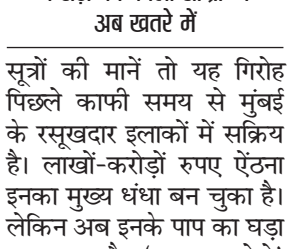

बल्कि आस्था और विश्वास का कत्ल है।

करोड़ों का काला साम्राज्य अब खतरे में

सूत्रों की मानें तो यह गिरोह पिछले काफी समय से मुंबई के रसूखदार इलाकों में सक्रिय है। लाखों-करोड़ों रुपए ऐंठना इनका मुख्य धंधा बन चुका है। लेकिन अब इनके पाप का घड़ा भर चुका है। 'महानगर मेट्रो' को मिली जानकारी के अनुसारः

* **शिकंजा कसा गयाः** जांच एजेंसियां और सतर्क नागरिक अब इस गिरोह की कुंडली खंगाल रहे हैं।
* **दस्तावेज तैयारः** हार्दिक हुडिया और उसके साथियों की अवैध कमाई और बेनामी संपत्तियों का काला चिट्ठा अब जनता के बीच आने वाला है।
* **भंडाफोड़ निश्चितः** बहुत जल्द इस 'तोड़बाज़' गिरोह के चेहरों से नकाब उतरने वाला है।

अधर्म पर धर्म की होगी जीत

हार्दिक हुडिया और उसकी टोली यह न भूले कि कानून के हाथ लंबे होते हैं और न्याय की चक्की भले ही धीरे चलती है, पर पीसती बहुत बारीक है। मुनियों के आशीर्वाद और व्यापारियों के खून-पसीने की कमाई को लूटने वाले इस गिरोह का अंत अब निश्चित है।जिसने भी धर्म और ईमानदारी को चुनौती दी है, उसका पतन अवश्यंभावी है। हार्दिक हुडिया, तेरे गिरोह का अंत और तेरे काले कारनामों का पर्दाफाश अब होकर रहेगा! '

अमित शाह बोले- सरकार बनने के बाद खत्म कर देंगे टीएमसी के सभी सिंडिकेट

एजेंसी

तेहट्टा। बंगाल के तेहट्टा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बंगाल की जनता ने 'दीदी का सूपड़ा साफ' कर दिया है और भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 110 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि दूसरे चरण में बाकी काम पूरा कर भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। बंगाल की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है और टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर चुकी है। महिलाओं और युवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो मई महीने से राज्य की हर महिला के बैंक खाते में 3,000 रुपए भेजे जाएंगे। इसके साथ ही राज्य के बेरोजगार युवाओं के खातों में भी 3,000 रुपए प्रति माह जमा कराए जाएंगे। शाह ने यह भी घोषणा की कि हर गर्भवती महिला को बच्चे की देखभाल और पोषण के लिए 21,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लहसुन किसानों के साथ राज्य सरकार ने धोखा किया है। देश के अन्य हिस्सों में लहसुन 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, लेकिन बांग्लादेश के रास्ते आ रहे नकली चीनी लहसुन की वजह से बंगाल के किसानों को अपनी उपज सिर्फ 12 रुपए प्रति किलो के भाव पर बेचनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर चीनी लहसुन की एंट्री बंद की जाएगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाएगा।

मास्टर प्लान गरीबों से 19000 करोड़ की वसूली

'गरीब होने की सजा!' - मिनिमम बैलेंस के नाम पर ? 19,000 करोड़ की महा-लूट और कॉरपोरेट्स का असली मास्टर प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। क्या इस देश में गरीब होना एक अपराध है और अगर हां, तो इसकी सजा कौन तय कर रहा है? जवाब है–हमारे देश का बैंकिंग सिस्टम। पूर्व में आम आदमी पार्टी के सांसद रहे और हाल ही में भाजपा ज्वाइन करने वाले राघव की एक सोशल मीडिया पोस्ट इन दिनों तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें एक बेहद सनसनीखेज दावा किया गया है: 'पिछले 3 सालों में बैंकों ने 'न्यूनतम अकाउंट बैलेंस' (Minimum Account Balance) न रखने के जुर्म में लोगों से 19,000 करोड़ रुपये वसूल लिए हैं। पहली नजर में यह आंकड़ा किसी बड़े कॉरपोरेट घोटाले जैसा लगता है। लेकिन जब हमने इन दावों की गहराई से पड़ताल की, तो जो सच्चाई सामने आई, वह सीधे तौर पर

देश के बड़े व्यापारियों और प्राइवेट बैंकों की उस 'मास्टर प्लानिंग' को एक्सपोज करती है, जहां गरीबों की जेब काटकर अमीरों की बैलेंस शीट चमकाई जा रही है। तथ्यों की जांच (Fact-Check) क्या वाकई वसूले गए 19,000 करोड़?

दावा: वायरल पोस्ट में कहा गया है कि बैंकों ने पिछले 3 सालों में न्यूनतम बैलेंस न रखने पर गरीब खाताधारकों से 19,000 करोड़ रुपये वसूले, जबकि बड़े कर्जदारों को छोड़ दिया गया। सचः यह दावा 100' सत्य है और सरकारी आंकड़ों पर आधारित है। संसद में पेश आधिकारिक डेटा: वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में (मार्च 2026) संसद में पेश किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस पेनाल्टी के रूप में लगभग ?19,083 करोड़ वसूले हैं।

प्राइवेट बैंकों की भारी लूट: इस पूरी वसूली में सबसे बड़ा हिस्सा प्राइवेट बैंकों का है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्राइवेट बैंकों ने जनता से लगभग 11,000 करोड़ की वसूली की है, जबकि सरकारी बैंकों के हिस्से में करीब 8,093 करोड़ आए हैं।

जीएसटी की दोहरी मार: इन पेनाल्टी चार्जेज पर ग्राहकों से 18' त्स्ञ्ज भी अलग से वसूला जाता है, जिसका बोझ सीधे आम आदमी पर पड़ता है।

निष्कर्ष: राघव की पोस्ट में किया गया दावा पूरी तरह से तथ्यात्मक और सटीक है।

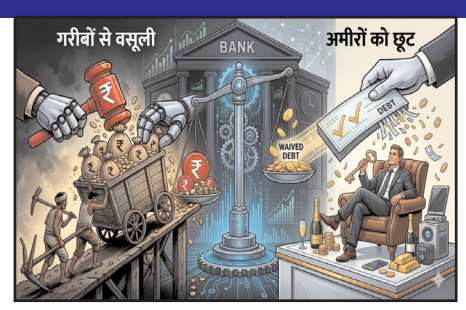

एक्सपोज़: क्या है कॉरपोरेट्स और बैंकों की 'मास्टर प्लानिंग'? यह 19,000 करोड़ सिर्फ एक जुर्माना नहीं है; यह एक सोची-समझी क्रूर व्यवस्था का हिस्सा है। आइए इस 'कॉरपोरेट मास्टर प्लान' की परतें उधेड़ते हैं:

1. 'रॉबिनहुड' का उल्टा खेल (गरीबों से वसूली, अमीरों को छूट):

एक तरफ देश के बड़े उद्योगपति और कॉरपोरेट घराने बैंकों से हजारों-लाखों करोड़ रुपये का कर्ज लेते हैं। ज़ब वे कर्ज नहीं चुका पाते, तो उसे ONPAO (Non-Performing Asset) घोषित कर दिया जाता है। 'हेयरकट' (Haircut) के नाम पर उनके कर्ज का बड़ा हिस्सा माफ कर दिया जाता है या उसे राइट-ऑफ (Write-off) करके उन्हें राहत दे दी जाती है। दूसरी तरफ, उसी बैंक में एक दिहाड़ी मजदूर, किसान या पेंशनभोगी के खाते में अगर कुछ सौ रुपये कम हो जाएं, तो यह सिस्टम बिना कोई रहम दिखाए तुरंत पेनाल्टी काट लेता है। **2. 'वित्तीय समावेशन' के नाम पर छलावा:** देश के करोड़ों लोगों को बैंकिंग सिस्टम से इसलिए जोड़ा गया था ताकि उनकी छोटी बचत सुरक्षित रहे। लेकिन वास्तविकता यह है कि बैंकों ने इन छोटे खातों को अपने लिए एक 'गारंटीड रेवेन्यू मॉडल' बना लिया है। जब एक गरीब आदमी के पास अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए पैसे नहीं होते, तब बैंक उस पर 'पैसे न होने का जुर्माना' लगा देता है।

अनुभूतिः वो अधूरी तड़प, जो जीवन को पूर्ण बनाती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। इश्क, मोहब्बत, प्रेम–शब्द चाहे जो भी हों, लेकिन इनके पीछे छिपी 'तड़प' एक ऐसी भाषा है जिसे सिर्फ दिल ही समझ सकता है। अक्सर हम भागदौड़ भरी जिंदगी में भावनाओं को पीछे छोड़ देते हैं, लेकिन कुछ अहसास ऐसे होते हैं जो रातों की नींद और दिन का चैन छीन लेते हैं। आज के इस विशेष लेख में हम चर्चा करेंगे उस 'तड़प' की, जो किसी इंसान को दूसरे से रूहानी तौर पर जोड़ देती है।

हर पल में तेरा ही अक्स

तड़प सिर्फ दूर होने का नाम नहीं है। तड़प है उसे देखने की, जिससे मिलकर भी मन न भरे। तड़प है उस इंसान से बात करने की, जिसके पास होने मात्र से दुनिया के सारे शोर थम जाते हैं। जब हम किसी से जुड़ते हैं, तो सबसे पहले अपनी खुशियाँ और अपने दुख उसे बताने की एक बेचेनी सी होने लगती है। यही वह मोड़ है जहाँ से 'दो जिस्म एक जान' का सफर शुरू होता है।

वो लंबी रातें और अनकही बातें

आज के डिजिटल युग में जहाँ मैसेज और कॉल्स की भरमार है, वहाँ रात-रात भर जागकर बातें करने वाली वो पुरानी तड़प आज भी कायम है। फोन रखने के बाद तुरंत यह सोचना कि 'अब दोबारा कब मिलेंगे?', हाथ थामकर यह महसूस करना कि काश यह वक्त यहीं रुक जाए, और सिर्फ उसके नाम के जिक्र मात्र से चेहरे पर एक मासूम सी मुस्कान का आ जाना–क्या यह जादू से कम है?

समर्पणः पूरी जिंदगी का साथ

लेख के केंद्र में वह संकल्प है, जहाँ इंसान सिर्फ एक पल नहीं बल्कि पूरी जिंदगी उस शख्स के साथ गुजारने की जिद करता है। अपने हमसफर की आँखों में शांति से देखना और उसके हाथों की छुअन में पूरी दुनिया को भूल जाना, दरअसल प्यार की पराकाष्ठा है।

'प्यार में तड़प का होना बुरा नहीं है, यह तो इस बात का प्रमाण है कि आपका दिल आज भी धड़कता है और किसी के लिए पूरी तरह समर्पित है। '

यह तड़प ही है जो जीवन के कठिन रास्तों को आसान बनाती है और हमें अहसास कराती है कि इस दुनिया में कोई तो है, जिसके लिए हम खास हैं। अगर आपके पास भी कोई ऐसा है जिसके लिए आप यह 'तड़ ' महसूस करते हैं, तो खुद को खुशनसीब मानिए।

आणंद मनपा चुनावः खूनी संघर्ष में बदली चुनावी सरगर्मी, कांग्रेस उम्मीदवार हर्षिल दवे पर जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। वार्ड नंबर 13 से कांग्रेस के प्रत्याशी हर्षिल दवे पर अज्ञात हमलावरों ने उस समय जानलेवा हमला कर दिया, जब मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद वे अपने समर्थकों के साथ मौजूद थे। इस हमले के बाद पूरे शहर में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया है। वारदात का विवरण मिली जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात जब मतदान खत्म होने के बाद प्रत्याशी और कार्यकर्ता राहत की सांस ले रहे थे, तभी अचानक हथियारों से लैस कुछ लोगों ने हर्षिल दवे को निशाना बनाया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावरों ने बेहद आक्रामक तरीके से वार किया, जिससे दवे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में हड़कंप इस हमले की खबर फैलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखा जा रहा है। पार्टी के स्थानीय नेताओं ने इस घटना को 'लोकतंत्र की हत्या' करार दिया है। • कांग्रेस का आरोपः 'विपक्ष हार के डर से हिंसा पर उतारू हो गया है। पुलिस प्रशासन को तुरंत दोषियों को गिरफ्तार करना चाहिए। पुलिस की कार्रवाईः पुलिस ने इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और कुछ संदिग्धों से पूछताछ जारी है। सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल चुनाव के दौरान चाक-चौबंद सुरक्षा के दावों के बीच हुई इस वारदात ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। वार्ड नंबर 13 सहित संवेदनशील इलाकों में फिलहाल पुलिस का कड़ा पहरा है ताकि कोई और अप्रिय घटना न घटे।

रेत का अवैध उत्खनन लगातार जारी मामला लमानिनभांटा का

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. हेमंत वर्मा संवाददाता राजनांदगांव छत्तीसगढ़ राजनांदगांव जिले में वैसे तो किसी भी रेत खदान को अधिकृत स्वीकृति नहीं मिला हुआ है हालांकि कुछ खदाने हैं जिसकी शासन की तरफ से अधिकृत नीलामी की गई है लेकिन उन खदानों को र्यावरण स्वीकृति नहीं मिल पाने की वजह से स्वीकृत खदान भी प्रारंभ नहीं हो पाई है इसके बावजूद भी पूरे जिले में नदियों को बेखौफ तरीके से लगातार उत्खनन किया जा रहा है मैदानी क्षेत्रों में तो प्रशासकीय अमला सक्रिय रहता है लेकिन जंगल या अंदरुनी क्षेत्रों में प्रशासनिक पहुंच नहीं हो पाने की वजह से रेत माफिया धड़ल्ले से रेत निकालकर लाखों करोड़ों रुपए कमा रहे हैं ऐसा ही मामला है मुसरा से लगा हुआ ग्राम लमानिनभाटा का यहां पर रेत माफिया के द्वारा बाकायदा रैंप बनाया गया है आने जाने के लिए सुविधायुक्त सड़क का निर्माण किया गया है और पिछले लगातार डेढ़ 2 महीने से सुबह शाम रेत की निकासी की जा रही है अब तक लाखों रुपए की रेत की निकासी किया जा चुका है बताया जाता है कि इस पूरे खनन का मास्टरमाइंड यही पास के ही कोई सिन्हा नाम का व्यक्ति है जो विगत डेढ़ से दो महीने से इस जगह पर अवैध खनन कर रहा है

समग्र जैन समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन इंदौर में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

समाज में वैवाहिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने एवं योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी चयन हेतु 'महावीर टाइम्स' के तत्वावधान में समग्र जैन समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन दिनांक 19 जुलाई 2026 (रविवार) को रविद्र नाट्य गृह (R.N.T मार्ग), इंदौर में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक संपन्न होगा। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवक-युवतियों को एक मंच पर परिचय का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे समाज में

सकारात्मक एवं संस्कारयुक्त वैवाहिक संबंध स्थापित हो सकें।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक हेमंत जैन (प्रधान संपादक) द्वारा जानकारी दी गई कि इस सम्मेलन के माध्यम से जैन समाज में पारिवारिक मूल्यों, संस्कारों एवं पारस्परिक समझ को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन में प्रतिभागियों के लिए विशेष परिचय पत्रिका (परिणय बंधन)भी प्रकाशित की जाएगी, जिसमें इच्छुक प्रतिभागी बायोडाटा ओर अपने विज्ञापन के माध्यम से अपना विवरण प्रकाशित करवा सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 1 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना होगा।

कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पंजीयन शुल्क एवं अन्य विवरण भी निर्धारित किए गए हैं। फॉर्म ऑनलाइन के द्वारा भी भर सकते है, जिसकी लिंक आप को दि जायेगी, ये सुविधा भी है /

इसके अतिरिक्त, 'महावीर टाइम्स' द्वारा सामाजिक पहल के अंतर्गत संपूर्ण विवाह योजना (7,11,000/-) भी प्रस्तुत की गई है, जिसमें विवाह से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे समाज के लोगों को एक ही स्थान पर संपूर्ण सुविधा मिल सके।

आयोजन समिति ने समाज के सभी गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों एवं युवक-युवतियों से इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आग्रह किया है, ताकि यह आयोजन सफल एवं सार्थक बन सके।यह जानकारी हेमंत जैन ओर जीवनलाल जैन ने दि .

समभारतीय सेना के 'रैम्बो' मेजर सुधीर कुमार वालिया, जिन्होंने अंतिम सांस तक देश की रक्षा की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुमार वालिया। 29 अगस्त 1999 को कुपवाड़ा के घने जंगलों में आतंकियों से लोहा लेते हुए उन्होंने जो पराक्रम दिखाया, वह आज भी हर भारतीय की रगों में देशभक्ति का संचार करता है।

साथियों के बीच कहलाते थे 'रैम्बो'

9 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) के जांबाज अधिकारी मेजर वालिया को उनके साथी सैयां 'रैम्बो' के नाम से बुलाते थे। उनकी नि?यता और युद्ध कौशल के कारण ही उन्हें यह उपाधि मिली थी। कर्नल आशुतोष काले द्वारा लिखित पुस्तक 'रैम्बो' उनके इसी अदम्य साहस और जीवन यात्रा को समर्पित है।

कुपवाड़ा का वो खूनी मुकाबला

कारगिल युद्ध के विजय अभियान के तुरंत बाद, मेजर वालिया को कु?वाड़ा में छिपे आतंकियों को खत्म करने का महत्वपूर्ण मिशन सौंपा गया।

- **तारीख:** 29 अगस्त 1999
- **मिशन:** आतंकियों के गुप्त ठिकाने को ध्वस्त करना।
- **साहस:** भारी गोलीबारी के बीच मेजर वालिया ने अपनी टीम का नेतृत्व किया। दुश्मन की गोलियों ने उनके चेहरे, छाती और हाथों को छलनी कर दिया, लेकिन 'रैम्बो' का जज्बा नहीं डगमगाया।

खून की आखिरी बूंद तक लड़े

गंभीर रूप से घायल होने और अत्यधिक रक्तस्राव के बावजूद, उन्होंने पीछे हटने से इनकार कर दिया। अदम्य साहस का परिचय देते हुए उन्होंने अकेले ही चार खूंखार आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया। जब तक मिशन सफल नहीं हो गया, वे डटे रहे और अंततः देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

मरणोपरांत 'अशोक चक्र' से सम्मान

मेजर सुधीर कुमार वालिया की इसी असाधारण वीरता के लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार 'अशोक चक्र' से सम्मानित किया गया। 26 जनवरी 2000 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर, उनके पिता पूर्व सूबेदार मेजर रुलिया राम वालिया ने गर्व के साथ अपने वीर पुत्र की ओर से यह सम्मान प्राप्त किया।

'वीर मरते नहीं, वे हमारे दिलों में अमर हो जाते हैं। मेजर सुधीर कुमार वालिया का बलिदान आने वाली कई पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। '

70 फीट गहरे कुएं से मासूम को बचाने वाला 'देवदूत' उपेक्षित, क्या वीरता को केवल तालियों की दरकार है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। महानगर मेट्रो डेस्क उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 8 साल के मासूम 'रोहित' को उसके ही पड़ोसी ने अपहरण कर मौत के मुंह में धकेल दिया। लेकिन इस अंधेरी मौत और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े हुए भारतीय सैनिक शिवकुमार गौतम। अफसोस की बात यह है कि जहाँ शिवकुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना मासूम को नई जिंदगी दी, वहीं समाज और प्रशासन ने उन्हें एक 'शुक्रिया' कहना भी मुनासिब नहीं समझा।

घटना का मंजरः 70 फीट नीचे

मौत का सन्नाटा 8 वर्षीय रोहित का अपहरण कर उसे एक सुनसान इलाके में स्थित 70 फीट गहरे सूखे कुएं में फेंक दिया गया था। कुआं इतना गहरा और संकरा था कि वहाँ ऑक्सीजन की कमी और जहरीले जीवों का खतरा था। जब गांव वालों को पता चला, तो सबकी रूह कांप गई, लेकिन कोई भी नीचे उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

फौजी का जज्बाः जब मौत को मात दी छुट्टी पर आए सेना के जवान शिवकुमार गौतम के लिए यह सिर्फ एक बच्चा नहीं, बल्कि देश का भविष्य था। उन्होंने बिना किसी आधुनिक रेस्क्यू गियर के, सिर्फ एक रस्सी के सहारे उस अंधेरे कुएं में उतरने का फैसला किया।

- **जोखिमः** कुएं की दीवारें धंसने का डर था।
- **सफलताः** शिवकुमार ने रोहित को अपने सीने से लगाया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

कड़वा सचः 'कोई धन्यवाद नहीं मिला' हैरानी की बात यह है कि इस अदम्य साहस के बाद जहाँ चारों तरफ जश्न होना चाहिए था, वहीं शिवकुमार को उपेक्षा का सामना करना पड़ा। महानगर मेट्रो से बात करते हुए इस वीर सैनिक का दर्द छलका। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी इनाम का लालच नहीं था, लेकिन जिस समाज के लिए वे सरहद पर और गलियों में जान देते हैं, वहां से एक 'आभार' के शब्द की उम्मीद तो हर इंसान को होती है।

संपादकीय टिप्पणीः क्या हम संवेदना खो चुके हैं? एक तरफ पड़ोसी ने दुश्मनी में मासूम को कुएं में फेंका (मानवता का गिरता स्तर) और दूसरी तरफ एक रक्षक को अनदेखा किया गया (कृतज्ञता का अभाव)। यह घटना हमें आईना दिखाती है कि क्या हम इतने स्वार्थी हो गए हैं कि किसी की बहादुरी को स्वीकार करने का शिष्टाचार भी भूल गए हैं?

राघव समेत 7 सांसदों की बगावत पर भड़के संजय सिंह, सदस्यता खत्म करने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली. महानगर मेट्रो ब्यूरो आम आदमी पार्टी (AAP) के भीतर मचे घमासान ने अब एक कानूनी और संसदीय लड़ाई का रूप ले लिया है। राघव और अन्य राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी के खिलाफ अपनाए गए बागी रुख को 'आप' नेतृत्व ने बेहद गंभीरता से लिया है। पार्टी के कद्दावर नेता और सांसद संजय सिंह ने साफ कर दिया है कि पार्टी इस विश्वासघात को आसानी से नहीं पचने देगी और बागी सांसदों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

'अवैध और असवैधानिक है यह कदम '

संजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बागी सांसदों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा: 'आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों द्वारा उठाया गया यह कदम पूरी तरह से अवैध, गलत और असंवैधानिक है। यह न केवल पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय नियमों के भी खिलाफ है। ' संजय सिंह ने एलान किया है कि वे इस मामले को लेकर राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति को औपचारिक पत्र लिखेंगे। इस पत्र में संसदीय नियमों का हवाला देते हुए मांग की जाएगी कि इन सभी बागी सांसदों की सदस्यता तुरंत प्रभाव से समाप्त की जाए। पार्टी का तर्क है कि जनता के वोट और पार्टी के सिंबल पर चुनकर आने के बाद इस तरह की बगावत 'दलबदल विरोधी कानून' के दायरे में आती है।

हार मानने को तैयार नहीं 'आप'

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आम आदमी पार्टी इस समय अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के पास मौजूद सभी विकल्पों का इस्तेमाल किया जा रहा है:

1.कानूनी मोर्चा: संविधान की दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के तहत कार्रवाई।

2.संसदीय मोर्चा: सभापति के समक्ष पक्ष रखकर सदस्यता रद्द कराने की कोशिश।

3.जनता की अदालत: बागियों को 'गद्दार' घोषित कर राजनीतिक रूप से अलग-थलग करना। सियासी भविष्य अधर में इस घटनाक्रम से दिल्ली और पंजाब की राजनीति में भी बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। यदि इन 7 सांसदों की सदस्यता चली जाती है, तो राज्यसभा के समीकरण बदल जाएंगे। फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह झुकने के बजाय कानूनी रास्ते से बागियों को सबक सिखाने के मूड में है।

लोकतंत्र के पर्व पर मातमः मतदान के तुरंत बाद हार्ट अटैक से मौत, 44 डिग्री की तपिश के बीच थमी सांसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। लोकतंत्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए एक बुजुर्ग मतदाता ने जैसे ही श्वङ्करू का बटन दबाया, उसके कुछ ही पलों बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ा और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। 'मत के बाद मौत' की इस खबर ने चुनावी उत्साह के बीच पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है।

चुनावी रणः 10 हजार सीटों पर 25 हजार धुरंधर

राज्य की स्थानीय स्वराज की लगभग 10,000 सीटों के लिए आज मतदान की प्रक्रिया जारी है। राजनीतिक मैदान में 25,000 से अधिक उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। सुबह से ही केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, लेकिन दोपहर होते-होते गर्मी का असर भी दिखने लगा।

दोपहर 1 बजे तक 26% मतदान, गर्मी का रेड अलर्ट

चुनाव आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, दोपहर 1 बजे तक राज्य में औसतन 26' मतदान दर्ज किया गया है। हालांकि, मौसम विभाग की चेतावनी ने प्रशासन और मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी है।

- **तापमान का कहरः** आज पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने का अनुमान है।
- **प्रशासन की अपीलः** भीषण गर्मी और 'हीट वेव' को देखते हुए लोगों से अपील की जा रही है कि वे पानी साथ रखें और सावधानी से घर से बाहर निकलें।

पिछली बार का समीकरण

पिछले चुनावों की तुलना में इस बार का माहौल काफी अलग है। पिछली बार 6 नगर निगमों (मनपा) के लिए 21 फरवरी को और पंचायत-नगरपालिकाओं के लिए 23 फरवरी को मतदान हुआ था। इस बार गर्मी और राजनीतिक समीकरण, दोनों ही मतदाताओं की कड़ी परीक्षा ले रहे हैं।

प्रमुख सुर्खियां :

- दुखद अंतः ईवीएम मशीन पर उंगली रखने के बाद बुजुर्ग ने तोड़ा दम।

ज़ त्रिकोणीय मुकाबलाः कई सीटों पर भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीयों के बीच कांटे की टक्कर।

ज़ युवाओं का जोशः पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में भारी उत्साह, सेल्फी पॉइंट्स पर लगी भीड़।

- व्यवस्थाः संवेदनशील बूथों पर पुलिस का सख्त पहरा, शांतिपूर्ण मतदान के लिए अर्धसैनिक बल तैनात।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बड़ा उलटफेरः 20 साल बाद 4 आरोपी दोषमुक्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/मालेगांव। देश को दहला देने वाले 2006 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। बुधवार, 22 अप्रैल को अदालत ने इस मामले के चार आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त (डिस्चार्ज) करने का आदेश दिया। कोर्ट के इस फैसले ने दो दशक पुराने इस मामले में एक नया मोड़ ला दिया है।

इंसाफ की दहलीज पर 20 साल का इंतजार

8 सितंबर 2006 का वह काला दिन आज भी मालेगांव के लोगों के जेहन में ताजा है। शब-ए-बारात के मौके पर जब हमीदिया मस्जिद के पास कब्रिस्तान में लोग इबादत के लिए जुटे थे, तब हुए सिलसिलेवार धमाकों ने खुशियों को मातम में बदल दिया था। इस आतंकी हमले में:

- 31 बेगुनाह लोगों की मौत हुई थी।
- 300 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

जांच एजेंसियों पर उठे सवाल

इस मामले की जांच पहले महाराष्ट्र एटीएस और फिर सीबीआई ने की थी। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने पाया कि इन चार आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत मौजूद नहीं हैं। कोर्ट का यह फैसला उन जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है, जिन्होंने सालों तक इन आरोपियों को कटघरे में रखा था। अदालत के इस फैसले के बाद एक तरफ जहां आरोपियों ने राहत की सांस ली है, वहीं दूसरी तरफ धमाके में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों के घाव फिर से हरे हो गए हैं।

चुनाव में भारी तनावः जिला पंचायत उम्मीदवार को 'उठा ले गई' पुलिस; विपक्ष बोला– सत्ता के दबाव में खाकी का बेजा इस्तेमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। गुजरात के विसावदर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली डुंगरपुर जिला पंचायत सीट पर चुनावी सरगर्मियों के बीच एक ऐसी घटना घटी है, जिसने स्थानीय प्रशासन और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहाँ से चुनाव लड़ रहे एक उम्मीदवार को पुलिस द्वारा जिस तरह से हिरासत में लिया गया, उसे विपक्ष ने 'पुलिस की वर्दी में अपहरण' करार दिया है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, विसावदर की डुंगरपुर सीट से ताल ठोक रहे उम्मीदवार को पुलिस की एक टीम अचानक उनके समर्थकों के बीच से ले गई। आरोप है कि पुलिस ने इस दौरान न तो कोई कानूनी प्रक्रिया अपनाई और न ही हिरासत में लेने का कोई पुख्ता कारण बताया। चश्मदीदों के मुताबिक, पुलिस का रवैया ऐसा था मानो वे किसी चुनाव लड़ने वाले नागरिक को नहीं, बल्कि किसी बड़े अपराधी को पकड़ने आए हों।

विपक्ष का प्रहार: 'भाजपा की हार का डर '

इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। विपक्षी दलों ने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा है कि:

- सत्ता का दुरुपयोगः भाजपा अपनी हार के डर से बौखला गई है और अब चुनाव जीतने के लिए पुलिस का सहारा ले रही है।
- लोकतंत्र की हत्याः पुलिस का इस्तेमाल कर उम्मीदवारों को डराना-धमकाना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के खिलाफ है।
- **खाकी पर दबावः** आरोप लगाया गया है कि पुलिस अधिकारियों पर सत्ता के 'आकाओं' का इतना दबाव है कि वे नियम-कानून ताक पर रखकर कार्रवाई कर रहे हैं।

जनता में भारी रोष, पुलिस की चुप्पी

उम्मीदवार को जिस तरह से ले जाया गया, उसके बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए हैं और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह जनता के मत का अपमान है।

वहीं, दूसरी ओर पुलिस विभाग की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण नहीं आया है। प्रशासनिक मौन इस विवाद को और हवा दे रहा है।

10 वर्षों बाद इंदौर आगमन पर धर्ममय हुआ शहर, आज नीलकंठ कॉलोनी में होगा भव्य मंगल प्रवेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। प्रदीप जैन सकल जैन समाज के लिए इन दिनों अत्यंत हर्ष और गौरव का वातावरण बना हुआ है। आचार्य देवेश श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. का 10 वर्षों पश्चात एवं आचार्य पद प्राप्ति के बाद प्रथम बार इंदौर आगमन होने से समाजजनों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। रविवार को जयंत धाम से पूज्य आचार्यश्री आदि ठाणा का भव्य नगर प्रवेश हुआ, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन दर्शन-वंदन एवं मंगल अगवानी हेतु उपस्थित रहे। अब इसी श्रृंखला में कल सोमवार, 27 अप्रैल को नीलकंठ कॉलोनी क्षेत्र में भव्य मंगल प्रवेश का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 8 बजे शंकरगंज जिंसी चौराहा (संघवीजी की दुकान) से सामैया प्रारंभ होगा, जो श्रद्धा और भक्ति के साथ श्री राज राजेंद्र लेखेंद्र आराधना भवन पहुंचेगा। इस मंगल प्रवेश में आचार्य देवेश श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. के साथ मुनिराज श्री दिव्यचंद्रविजयजी म.सा., मुनिराज श्री पुष्पेंद्रविजयजी म.सा., मुनिराज श्री रूपेन्द्रविजयजी म.सा. एवं मुनिराज श्री वैराग्ययशविजयजी म.सा. का भी मंगल आगमन होगा। प्रातः 9 बजे आचार्यश्री के पावन प्रवचन होंगे, जिसके पश्चात नवकारसी का आयोजन रखा गया है। समाजजनों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है तथा जैन समाजजनों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

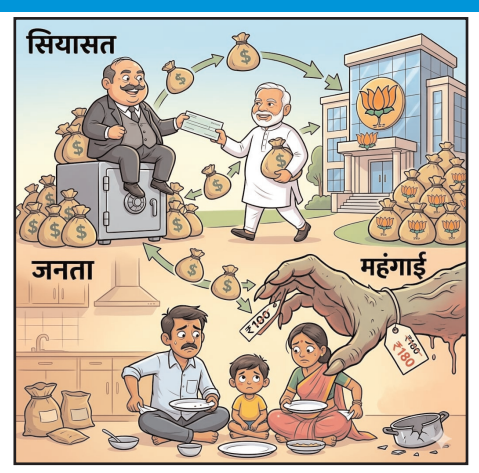

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जनता की जेब खाली, सियासी तिजोरियां भारीः क्या महंगाई के पीछे छिपा है चंदे का बड़ा खेल?

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई सिर्फ मांग और आपूर्ति का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा 'आर्थिक-राजनीतिक' समीकरण काम कर रहा है। आज के दौर में आम आदमी की थाली से गायब होता राशन और जेब पर बढ़ता बोझ, राजनीतिक दलों के बढ़ते खजाने के साथ एक अजीब विरोधाभास पैदा कर रहा है। आइए समझते हैं इस 'महंगाई के गणित' को।

महंगाई का सीधा गणितः 100 बनाम 180

विपक्षी खेमे और आर्थिक जानकारों का तर्क है कि जो वस्तु पहले 100 रुपये की थी, वह आज 160 से 180 रुपये के बीच बिक रही है।

- **मुनाफे का खेलः** इस बढ़ती कीमत का सीधा फायदा बड़े उद्योगपतियों को मिल रहा है, जिनका मुनाफा कथित तौर पर 60' से 80' तक बढ़ गया है।

ज़ क्विड प्रो क्वो (लेन-देन): आरोप है कि इस भारी मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 30-40') चुनावी चंदे के रूप में सत्ताधारी दल को वापस मिलता है। इस तरह उद्योगपति भी फायदे में रहते हैं और पार्टी का फंड भी बढ़ता रहता है।

आंकड़ों की जुबानी: सियासी अमीरी की तस्वीर रिपोर्ट्स के अनुसार, सत्ताधारी दल की संपत्ति और फंड में जो उछाल आया है, वह हैरान करने वाला है:

1.चुनावी चंदाः भाजपा के पास वर्तमान में लगभग 10,107 करोड़ रुपये का चुनावी चंदा होने का अनुमान है।

2.PM Cares पीएम केयर्स फंड में लगभग 9,600 करोड़ रुपये जमा हैं।

3.कमलम कार्यालयः देश भर में फैले भाजपा के आलीशान 'कमलम' कार्यालयों की कीमत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

4.नेताओं की संपत्तिः आरोप है कि पिछले 11 वर्षों में जनप्रतिनिधियों (सांसदों और विधायकों) की निजी संपत्ति में भी कई गुना वृद्धि हुई है।

'गंदगी' का दलबदलः साफ कौन, दागी कौन?

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि विचारधारा से अधिक अब 'सुविधा' की राजनीति हो रही है।

- **भ्रष्टाचार का वाशिंग मशीनः** आरोप लगाया जा रहा है कि कांग्रेस काल के जो नेता 'भ्रष्टाचारी' बताए जाते थे, वे आज भाजपा का हिस्सा हैं।

ज़ विपक्ष का दावाः विपक्षी समर्थकों का कहना है कि जो नेता लालची थे, वे सत्ता के लालच में दल बदल गए, जिससे अब कांग्रेस 'साफ' हो गई है और सारी 'गंदगी' सत्ताधारी दल में जमा हो गई है।

महानगर मेट्रो का सवालः मरे कौन?

इस पूरे खेल में असली मार आम जनता पर पड़ रही है। महंगाई के इस चक्रव्यूह में पिसता मध्यम वर्ग और गरीब परिवार यह सोचने पर मजबूर है कि क्या उनके द्वारा चुकाया गया टैक्स और बढ़ी हुई कीमतें सिर्फ सत्ता के आधुनिकीकरण और चुनावों को जीतने के लिए इस्तेमाल हो रही हैं? 'जब उद्योगपति और नेता हाथ मिलाते हैं, तो लोकतंत्र में जनता केवल दर्शक बनकर रह जाती है। महंगाई के इस शोर में क्या विकास की असली गूँज दब गई है? 'यह लेख सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं और वर्तमान राजनीतिक दावों पर आधारित एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट है। इसका उद्देश्य पाठकों को महंगाई और राजनीतिक चंदे के बीच के कथित संबंधों से अवगत कराना है।

'ट्रुथ सोशल' की एक पोस्ट और भारत का कड़ा रुखः क्या ट्रंप के बयान से रिश्तों में आएगी खटास?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी सोशल मीडिया गतिविधि के कारण चर्चा के केंद्र में हैं। उनके निजी प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' (Truth Social) पर शेयर की गई एक विवादास्पद पोस्ट, जिसमें भारत के संदर्भ में अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था, ने कूटनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।

क्या था पूरा मामला?

हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट री-शेयर की। इस पोस्ट में अवैध प्रवासियों और कुछ देशों की स्थितियों की तुलना करते हुए भारत को 'नर्क जैसी जगह' (Hellhole) कहकर संबोधित किया गया था। हालांकि यह शब्द सीधे ट्रंप के नहीं थे, लेकिन एक राष्ट्रपति उम्मीदवार द्वारा ऐसी सामग्री को साझा करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी सोच और नीति पर सवाल खड़ा करता है। भारत की प्रतिक्रिया इतनी महत्वपूर्ण क्यों है भारत की ओर से इस मामले पर आई प्रतिक्रिया ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। इसके पीछे के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:

- **बदली हुई कूटनीतिक शैलीः** भारत अब अपमानजनक टिप्पणियों को नजरअंदाज करने के बजाय उनका स्पष्ट जवाब देने की नीति अपना रहा है। विदेश मंत्रालय का रुख यह साफ करता है कि भारत अपनी संप्रभुता और छवि के साथ समझौता नहीं करेगा।
- **चुनावों का समयः** अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में ट्रंप का यह रुख भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं (Indian-American Voters) को नाराज कर सकता है, जो वहां की राजनीति में एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।
- रणनीतिक साझेदारीः भारत और अमेरिका वर्तमान में 'क्रिटिकल टेक्नोलॉजी' और 'डिफेंस' जैसे क्षेत्रों में गहरे साझेदार हैं। ऐसे बयानों से विश्वास की कमी (Trust Deficit) पैदा होने का खतरा रहता है।

विशेषज्ञों की रायः चुनावी स्टंट या वास्तविक सोच?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप अक्सर अपने आधार वोट बैंक को लुभाने के लिए 'अमेरिका फर्स्ट' और प्रवासियों के खिलाफ सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत जैसे 'रणनीतिक मित्र' के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग कूटनीतिक प्रोटोकॉल के खिलाफ है।

कानपुर हत्याकांडः 'गला काटने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए आंखें मूंदकर हथौड़े से दी मौत ', मासूम बेटियों के हत्यारे पिता का खौफनाक कबूलनामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। एक 45 वर्षीय पिता, शशि रंजन मिश्रा ने अपनी ही दो मासूम जुड़वा बेटियों की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस हिरासत में आरोपी ने जो खुलासे किए हैं, उन्हें सुनकर तफ्तीश करने वाले अधिकारियों के भी रोंगटे खड़े हो गए। साजिश की कहानीः बाजार से खरीदे थे चॉपर और हथौड़ा पुलिस की पूछताछ में आरोपी शशि रंजन ने कबूला कि वह बेटियों को खत्म करने की योजना पहले ही बना चुका था। इसके लिए उसने खास तौर पर बाजार से एक नया चॉपर और हथौड़ा खरीदा था। आरोपी ने बताया, 'मैं उनका गला काटना चाहता था, लेकिन ऐन वक्त पर मेरा कलेजा कांप गया। मुझे लगा कि गला काटने से वे तड़पती रहेंगी, इसलिए मैंने उन्हें बेहोश किया और फिर अपनी आंखें बंद करके हथौड़े से उन पर वार किए। CCTV में कैद हुआ हैवानियत का मंजर शशि रंजन ने अपने BHK फ्लैट की सुरक्षा के लिए कई CCTV कैमरे लगवाए थे, लेकिन उसे क्या पता था कि यही कैमरे उसकी दरिंदगी के गवाह बनेंगे। फुटेज का खुलासाः एक कैमरे में कैद हुआ है कि शशि अपनी बेटी सिद्धि का मुंह दबाकर उसे जमीन पर लिटा रहा है।

- **चालाकीः** वारदात के दौरान जब उसे कैमरे की याद आई, तो उसने तुरंत लाइट बंद की और कैमरे का रुख ऊपर की ओर मोड़ दिया ताकि आगे की क्रूरता रिकॉर्ड न हो सके।

शक और शराब ने उजाड़ा हंसता-खेलता घर

मृतक बच्चियों की मां रेशमा ने पुलिस को अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उसका पति अक्सर उस पर शक करता था और शराब के नशे में मारपीट करता था। पड़ोसियों से भी उसके झगड़े आम थे। रेशमा प्रताड़ना से तंग आकर 9 महीने के लिए मायके चली गई थी, लेकिन बेटियों के भविष्य और मोह के कारण वापस लौट आई। उसे क्या पता था कि उसकी यही ममता बेटियों के लिए काल बन जाएगी। इस खौफनाक कांड के बाद टूटी हुई रेशमा ने अब हमेशा के लिए कानपुर छोड़कर पश्चिम बंगाल जाने का फैसला किया है।

पुलिस की कार्रवाई और विसरा रिपोर्ट का इंतजार

नौबस्ता पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दिलचस्प बात यह है कि हत्या के बाद आरोपी ने खुद ही पुलिस को फोन कर जुर्म की जानकारी दी थी। पुलिस अब विसरा रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि यह साफ हो सके कि हथौड़े से वार करने से पहले बच्चियों को कोई नशीली दवा दी.

गुजरात ST के निजीकरण की सुगबुगाहटः 1500 करोड़ का अतिरिक्त बोझ और पूंजीपतियों का खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। की जीवनरेखा कही जाने वाली गुजरात स्टेट ट्रांसपोर्ट (ST) को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में एक बहस छिड़ी हुई है। दावा किया जा रहा है कि सरकार 'छिपते-छिपाते' विभाग का निजीकरण कर रही है। आरोप है कि सत्तापक्ष अपने करीबियों को फायदा पहुँचाने के लिए 1200 बसें किराए पर लेने की तैयारी में है। आइए समझते हैं इस पूरे गणित और इसके पीछे छिपे 'कथित' खेल को।

गणित जो चौंका देगाः अपनी बस बनाम किराए की बस सोशल मीडिया पर वायरल दावों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में जो बसें (ST और वोल्वो) किराए पर ली गई हैं, उनका वार्षिक किराया 156 करोड़ रुपये है।

- 10 साल का किरायाः लगभग 2000 करोड़ रुपये।
- नई बस खरीदने का खर्चः यदि सरकार खुद बसें खरीदे, तो यह काम मात्र 350 करोड़ रुपये में हो सकता है।
- रखरखाव और वेतनः इसे मिलाकर भी 10 साल का खर्च अधिकतम 500 करोड़ रुपये होगा।

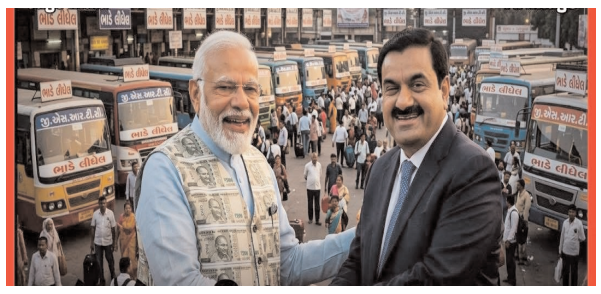

सवाल यह हैः यदि काम 500-600 करोड़ में हो सकता है, तो जनता के टैक्स के 1500 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करके निजी ऑपरेटरों की जेब क्यों भरी जा रही है?

PPP मॉडलः विकास या कमीशन का रास्ता?

लेख में सरकार के PPP (Public Private Partnership) मॉडल पर कड़ा प्रहार किया गया है। इसे 'पूंजीवादी ताकतों' की साजिश बताते हुए कहा गया है कि:

1.भर्ती में नुकसानः निजी कंपनियां कर्मचारियों की भर्ती करेंगी, जिससे सरकारी लाभ और सुरक्षित वेतन खत्म होगा।

2.कमीशन का खेलः आरोप है कि टेंडर उन लोगों को दिए जाते हैं जो सत्ता के करीब हैं, जिससे पार्टी और नेताओं को मोटा 'फंड' मिलता है।

3.जनता पर बोझः बस खाली चले या भरी, सरकार को किराया देना ही होगा। अंततः टिकट के दाम बढ़ेंगे और बोझ आम आदमी पर आएगा।

वैश्विक साजिशः ब्लैक रॉक (Blackrock) और 'बड़े भाई' का कनेक्शन

रिपोर्ट में एक सनसनीखेज दावा किया गया है कि भारत की नीतियों को दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैक रॉक (Blackrock) जैसी संस्थाएं प्रभावित कर रही हैं।

- कच्चे तेल का खेलः वेनेजुएला से कच्चा तेल आने, रूस-खाड़ी देशों के तेल पर प्रतिबंध लगने और भारत की सरकारी रिफाइनरी में 'अचानक' आग लगने की घटनाओं को एक कड़ी में जोड़ा गया

•निष्कर्षः इन सबका सीधा फायदा निजी रिफाइनरियों और 'बड़े उद्योगपतियों' को मिल रहा है।

हृदय से हृदय तकः मोहब्बत में यह 'आधी-अधूरी' साझेदारी क्यों?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। प्यार का दरिया और एक छोटा सा 'खोबा' अक्सर रिश्तों में देखा जाता है कि एक साथी अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहता है। वह प्यार का 'वत्सल दरिया' बहा देता है, लेकिन बदले में सामने वाला अपनी अंजलि (खोबा) ही आगे बढ़ाता है। सवाल यह उठता है कि जब सामने वाला असीमित स्नेह लुटा रहा हो, तो उसे मापने की कोशिश क्यों? क्या प्यार में भी हिसाब-किताब जरूरी है?

समर्पण की कमीः मधुवन और एक फूल कल्पना कीजिए, कोई आपके लिए प्रेम का पूरा 'मधुवन' (बगीचा) महका दे, और आप वहां से केवल एक फूल की उम्मीद रखें! यह स्थिति केवल संवाद की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं के तालमेल की कमी को भी दर्शाती है। जब प्यार मुकम्मल हो, तो उसे टुकड़ों में नहीं, बल्कि संपूर्णता में स्वीकार करना चाहिए।

साथ उड़ने की तमन्ना

लेख की ये पंक्तियाँ मन को छू लेती हैं– 'मैं उड़ूँ मुक्त गगन में, और तुम पंख ही न फैलाओ, यह कैसे चलेगा?' एक आदर्श रिश्ता वही है जहाँ दोनों साथ मिलकर ऊँचाइयां छुएं। यदि एक साथी उड़ान भरने को बेताब है और दूसरा पिंजरे की खामोशी चुन ले, तो रिश्तों की डोर कमजोर पड़ने लगती है। अधूरा मिलन, पूरी तड़प

प्यार की बारिश में जब एक पूरी तरह भीग जाए और दूसरा 'कोरा' रह जाए, तो वह भीगना भी अधूरा सा लगता है। मिलन की प्यास और पल-पल की तड़प किसी भी प्रेमी हृदय को झकझोर देती है।

'मोहब्बत में 'कंजूसी' कैसी? अगर कोई आपके लिए समंदर बनने को तैयार है, तो कम से कम आप उसमें डूबने का साहस तो दिखाइए। रिश्तों में जब तक दोनों तरफ से आग बराबर नहीं होती, तब तक प्रेम की लौ धुंधली ही रहती है।

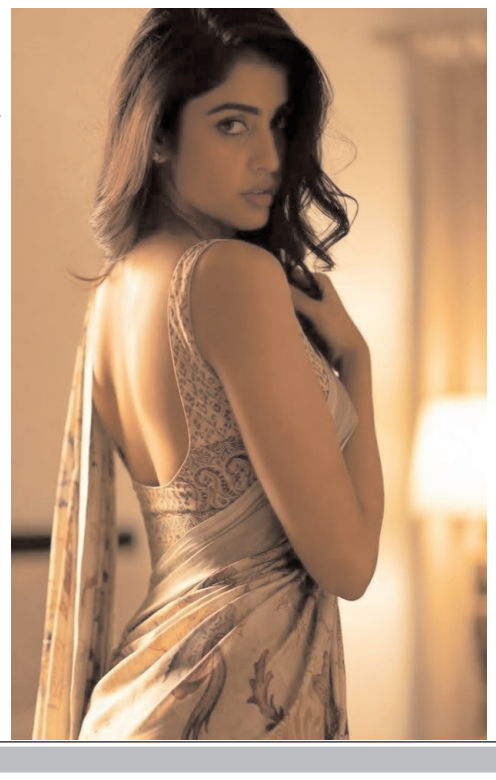

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट- केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

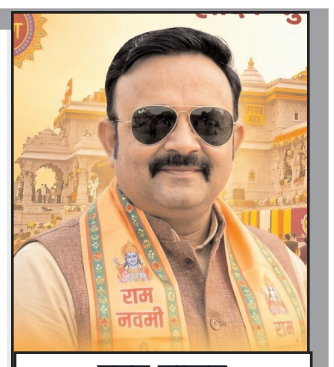

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया।टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए।

पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने

इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों तक इस देश को आंदोलन के नाम से डराता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि 'एक व्यक्ति, एक पद' के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है ? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते है? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नजर आएगा।

अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी और सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाना चाहिए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि राज्यसभा की सांसदी का टिकट धन्नासेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी ज्यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभव कुमार, भगवंत मान और आतिशी इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं?

संपादकीय

मतदान के मील-पत्थर

पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का और तमिलनाडु में पूरा मतदान हो गया। लोकतंत्र के लिए यह बेहद सुखद संकेत और रुझान है कि दोनों राज्यों में क्रमशः 92.72 फीसदी और 85.14 फीसदी मतदान के साथ नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खुलासा किया है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान बंगाल में हुआ है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! यहां हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है। आप बहकावे में न आएं, भ्रमित न हों और डरने की कोई जरूरत नहीं है। आपकी भारतीयता कोई खैरात नहीं है। वह आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। बहरहाल बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'एग्जिट पोल' दावा कर रहा है कि भाजपा प्रथम चरण की 152 सीटों में से 100 सीटें पार कर चुकी है। हालांकि भाजपा ने 125 सीटों पर प्रचंड जीत का दावा किया है। बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी जीत मान रही हैं। इसे 4 मई तक छोड़ देना चाहिए, जिस दिन जनादेश सार्वजनिक होंगे। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। प्रधानमंत्री ने ऐसा दावा अपने राजनीतिक अनुभव के आधार पर किया था। यह भी चुनावी और सियासी दावा साबित हो सकता है। यदि ममता बनर्जी 'बंगाली अस्मिता' की प्रतीक न होतीं, तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक मंच से यह घोषणा न करनी पड़ती कि भाजपा मुख्यमंत्री बंगाली होगा, बंगाल में जन्मा और पढ़ा-लिखा होगा तथा बंगला भाषा बोलता होगा। भाजपा कार्यकताओं को 'मछली' लेकर जुलूस न निकालने पड़ते और पार्टी के केंद्रीय मंत्री स्तर के नेताओं को, मंगलवार के दिन, 'मछली-चावल' खाते हुए इंटरव्यू न देने पड़ते। मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा को बंगाल में ही सफाई देनी पड़ रही है। किसी अन्य राज्य में अपवाद हो सकता है, अलबत्ता भावी मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी घोषणा नहीं करनी पड़ती। बंगाल और भाजपा के दरमियान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूं कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथापाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थप्पड़ों को कैसे रोक सकता था।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स आज के दौर में

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी उएढअ लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश 'डिजिटल ब्रिज' बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है।

भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

अमेरिका में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा की चुनौतीः डोनाल्ड ट्रम्प पर हमलों का सिलसिला और 'गन कल्चर' का संकट

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई ताजा फायरिंग की घटना ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था और वहां के गन कल्चर की ओर खींच लिया है। इस घटना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनते ही पूरा हॉल दहशत में आ गया और मेहमान मेजों के नीचे छिपने को मजबूर हो गए। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हमलावर को पकड़ लिया गया, लेकिन यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है।

इस हमले के बाद एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका में राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा कितनी मजबूत है और आखिर क्यों बार-बार ऐसे हमले हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के साथ यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे कई बार हमलों या हमले जैसे खतरों का सामना कर चुके हैं।

सबसे चर्चित घटना 13 जुलाई 2024 की है, जब पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय एक हमलावर ने लंबी दूरी से असॉल्ट राइफल से फायरिंग की थी। एक गोली उनके कान के ऊपरी हिस्से को छूते हुए निकल गई थी। यह हमला बेहद खतरनाक था और अगर गोली कुछ सेंटीमीटर इधर-उधर होती, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत भी हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हमले ने

अमेरिकी चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया था और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प को उनके राजनीतिक करियर के दौरान कई बार धमकियां भी मिली हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद और फिर दोबारा चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के कारण वे लगातार निशाने पर रहे हैं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस समय-समय पर ऐसे कई संभावित हमलों को नाकाम करने का दावा करती रही है, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। हालांकि ये घटनाएं यह संकेत देती हैं कि खतरा लगातार बना हुआ है।

ताजा घटना में हमलावर की पहचान कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया का रहने वाला बताया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वह एक शिक्षित व्यक्ति था, जिसने इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। यह तथ्य इस बात को और चिंताजनक बना देता है कि हिंसा की प्रवृत्ति अब केवल असामाजिक तत्वों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि समाज के शिक्षित वर्ग तक भी पहुंच रही है।

इस घटना के दौरान मलानिया ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वंश भी मौजूद थे। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जो यह दर्शाता है कि ऐसी घटनाएं कितनी तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकती हैं।

अमेरिका में गन कल्चर लंबे समय से बहस का विषय रहा है। वहां हथियार रखना संवैधानिक अधिकार माना जाता है, लेकिन इसी अधिकार का दुरुपयोग लगातार बढ़ती हिंसा का कारण बन रहा है। स्कूलों में गोलीबारी, सार्वजनिक स्थानों पर हमले और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाना अब आम घटनाएं बनती जा रही हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट बन चुकी है।

बराक ओबामा के कार्यकाल में भी गन कंट्रोल को लेकर कई प्रयास किए गए थे, लेकिन मजबूत लॉबी और राजनीतिक मतभेदों के कारण कोई ठोस कानून लागू नहीं हो सका। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में भी इस मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।

हाल की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की गंभीरता को दशार्ता है।

अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि डॉनल्ड ट्रम्प पर हुए हमले केवल व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि यह अमेरिकी लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर भी हमला हैं। जब किसी देश का सर्वोच्च नेता ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

इस तरह की घटनाएं यह भी दशार्ती हैं कि सुरक्षा एजेंसियों को लगातार अपने तरीकों और तकनीकों को अपडेट करना होगा। केवल परंपरागत सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, इंटेलिजेंस नेटवर्क और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को भी सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनाना होगा।

साथ ही, समाज में बढ़ती कट्टरता और मानसिक असंतुलन के मामलों को भी गंभीरता से लेना होगा। जब तक इन मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमलों का सिलसिला यह संकेत देता है कि अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे अपने गन कानूनों, सामाजिक नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह केवल एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि अगर समय रहते ऐसे खतरों को नहीं रोका गया, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है।

इस पूरी घटना और इससे जुड़े पिछले हमलों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रम्प का राजनीतिक जीवन लगातार जोखिमों से भरा रहा है। वे कई बार मौत के करीब पहुंचे हैं, लेकिन हर बार बच निकले। हालांकि यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा और क्या अमेरिका इस चुनौती का कोई स्थायी समाधान खोज पाएगा।

‘बंगाल में शेख चिल्ली के सपने देख रही BJP, सुल्तानपुर में अबू आजमी का हमला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में शुक्रवार रात पहुंचे समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने अपने दौरे के दौरान सियासी माहौल को गरमा दिया। शहर में सपा नेता के आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने भाजपा पर कई मोर्चों पर तीखा हमला बोला। पश्चिम बंगाल की राजनीति, असम के मुख्यमंत्री के बयान, भाजपा नेताओं के आचरण, स्मार्ट मीटर और 2027 के चुनाव जैसे मुद्दों पर उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी। साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव के 300 यूनिट मुफ्त बिजली के वादे को दोहराते हुए इसे पूरा करने की गारंटी भी दी। पश्चिम बंगाल में भाजपा के सरकार बनाने के दावों को खारिज करते हुए आजमी ने कहा कि यह ‘शेख चिल्ली के सपने’ हैं। उन्होंने कहा कि मामता बनर्जी के नेतृत्व में वहां की जनता उनके काम से संतुष्ट है और भाजपा को इसका जवाब मिलेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा एक महिला मुख्यमंत्री को स्वीकार नहीं कर पा रही है।

असम CM के बयान पर पलटवार

असम के मुख्यमंत्री के मांस वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आजमी ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यह भी पूछा जाना चाहिए कि वे किस तरह का मांस खा सकते हैं और कहीं यह इंसान का मांस तो नहीं। उनके इस बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है।
BJP नेताओं पर पाखंड का आरोप भाजपा नेताओं मनोज तिवारी और अनुराग ठाकुर के मछली खाने के विवाद पर आजमी ने उन्हें आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता दिखावा कुछ और करते हैं और व्यवहार में कुछ और होते हैं। उनके मुताबिक, अगर इनका असली चेहरा सामने आ जाए तो जनता के बीच उनकी स्थिति कमजोर हो जाएगी। मुफ्त बिजली के वादे पर भरोसा आजमी ने अखिलेश यादव के 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने के वादे का समर्थन करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वादों को निभाने के लिए जानी जाती है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी सरकार सिर्फ वादे नहीं करती, बल्कि उन्हें पूरा भी करती है। 2027 चुनाव को लेकर बड़ा दावा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर आजमी ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ‘101 प्रतिशत’ सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का ‘टेम्पो हाई’ है और जनता बदलाव के मूड में है। स्मार्ट मीटर पर उठाए सवाल स्मार्ट मीटर को लेकर अखिलेश यादव के बयान का समर्थन करते हुए आजमी ने कहा कि ये मीटर आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं।

दिल्ली की हवा में घुली नई खुशबू, तीन साल में चंदन के पौधे बन गए पेड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 2022-23 में तत्कालीन एलजी वीके सक्सेना की पहल पर राजधानी में चंदन के सड़े स्पेशलपेड़ लगाने की शुरुआत हुई थी। उस समय पेड़ों को लेकर काफी विवाद हुआ था। उस समय लगाए गए यह पौधे अब घने पेड़ में बदल चुके हैं। कुछ पर तो सीजन में फूल भी आ चुके हैं। हालांकि सभी जगह चंदन को उपयुक्त रिजल्ट नहीं मिला है। अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क में तीन जगह चंदन के पौधे लगाए गए हैं। यहां पर नर्सरी में 20 पौधों में से 15 पेड़ में तब्दील हो चुके हैं। एक पेड़ पर तो पिछले साल जून जुलाई में फूल भी खिले थे। हालांकि पेड़ स्थानीय नहीं है इसलिए इनका इस्तेमाल सिर्फ रिसर्च वर्क में किया जा रहा है। यह सभी पेड़ बीजों से तैयार किए गए है। प्रोजेक्ट से जुड़े एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह बीज कोयम्बटूर से मंगवाए गए थे। इन्हें तीन तरह से जर्मिनेट किया गया। सबसे अच्छा रिजल्ट जिबरेलिक एसिड और पानी के साथ मिला।

कहां लगाए गए थे चंदन

एलजी के आदेश पर डीडीए, एमसीडी और एनडीएमसी में चंदन के हजारो पेड़ लगाए गए थे। एमसीडी ने विभिन्न जगहों में 2000 के करीब, वन विभाग ने 5000 के करीब, एनडीएमसी ने लाल और सफेद चंदन के 500-500 पौधे लगाए थे।

नीला हौज बायोडायवर्सिटी पार्क

नीला हौज पार्क के एंट्री गेट पर ही तत्कालीन एलजी वी के सक्सेना ने चंदन का पौधा 2022-23 में लगाया था। उस समय इसकी हाइट महज दो से तीन फिट की थी, अब यह बढ़कर 12 फिट हो गई है। बीते साल इस पर दो बीज भी आए है। हालांकि अब उन्हें जर्मिनेट करने की प्रक्रिया चलेगी। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी ने बताया कि पौधे को लगाने से पहले जमीन को तैयार किया गया था। इस पौधे के में गोबर और अन्य खाद डाली गई थी। इसे सपोर्ट देने के लिए इसके पास एक अरहर की दाल का पौधा लगाया गया था। अधिकारी के अनुसार चंदन का पौधा अपना भोजन खुद नहीं बना सकता। दाल का पौधा इसके लिए पोषक पौधे का काम करता है। इसकी जड़े चंदन की जड़ों से जुड़कर आवश्यक पोषण, नाइट्रोजन और पानी पौधे को देती है।

बलिया में लापरवाही की हद: एंबुलेंस को नहीं मिला पेट्रोल, मरीज ने तोड़ा दम, पंप पर कार्रवाई के आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक बेहद दर्दनाक और सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है, जहां समय पर ईंधन न मिलने और प्रशासनिक लापरवाही के चलते एक मरीज की जान चली गई। निजी एंबुलेंस में पेट्रोल खत्म होने के बाद जब परिजन मरीज को लेकर पेट्रोल पंप पहुंचे तो वहां कर्मचारियों द्वारा ईंधन देने से इनकार कर दिया गया। इस देरी के कारण मरीज को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद जिला प्रशासन सख्त हो गया है और जांच समिति गठित कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पांडेपुर गांव से शुरू हुआ दर्दनाक सफर

मामला बलिया के बैरिया थाना क्षेत्र के पांडेपुर गांव का है, जहां बुधवार देर रात छट्ठू शर्मा (50) को पेट में अचानक तेज दर्द हुआ। परिजन ग्राम प्रधान की मदद से उन्हें निजी एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जा रहे थे, लेकिन

रास्ते में करीब दो किलोमीटर आगे एंबुलेंस का ईंधन खत्म हो गया।

लेकिन पेट्रोल पंप ने किया इंकार

परिजनों और एंबुलेंस स्टाफ ने टेंगरही गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप से मदद मांगी, लेकिन आरोप है कि वहां मौजूद कर्मचारियों ने ईंधन देने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद किसी तरह जुगाड़ कर मरीज को आगे ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन समय हाथ से निकल चुका था। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

किसी तरह मरीज को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया और पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।

सीसीटीवी और स्टॉक से खुला बड़ा सच

जिला प्रशासन की जांच में सामने आया कि संबंधित पेट्रोल पंप पर पर्याप्त ईंधन उपलब्ध था। पंप पर करीब 4 हजार लीटर डीजल और 8 हजार लीटर पेट्रोल का स्टॉक मौजूद था। सीसीटीवी फुटेज में भी एंबुलेंस की मौजूदगी की पुष्टि हुई है, जिससे पंप कर्मचारियों के इनकार पर सवाल खड़े हो गए हैं। डीएम का सख्त एक्शन, जांच समिति गठित जिलाधिकारी ने मामले को गंभीर लापरवाही मानते हुए पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए बैरिया के उप जिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी और सहायक खाद्य अधिकारी की संयुक्त जांच समिति गठित की गई है।

मुस्लिम महिलाओं के हाथों का बना ‘रामजी का पेड़ा’ देश-विदेश में मचा रहा धमाल,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में इन दिनों मुस्लिम महिलाओं के हाथों से बना ‘राम जी पेड़ा’ देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी जमकर धूम मचा रहा है. इन पेड़ों के प्रसिद्ध होने के पीछे कारण देशी स्टाइल में बनाना है. जिसे बड़े-बड़े बर्तनों में लकड़ी के चूल्हों की मदद से महिलाओं द्वारा गुड़ डालकर शुद्ध दूध व देशी घी से बनाया जाता है. जिस वजह से ये काफी स्वादिष्ट होते हैं, इतना ही नहीं लकड़ी के चूल्हों पर पकने की वजह से इन पेड़ों में सोंधापन आने से इनके स्वाद में चार चांद लग जाते हैं.
गुड में बनने की वजह से ये शुगर फ्री होते हैं, जिस वजह से इन पेड़ों की मांग देश से ज्यादा विदेशों में है. क्योंकि ये किसी को नुक़सान नहीं

पहुंचाते हैं. हालांकि इन महिलाओं का सपना साकार नहीं होता अगर इन्हें युवा उद्यमी का साथ नहीं मिला होता. क्योंकि युवा उद्यमी ने ही इन्हें बिजनेस प्लान बताया. जिसके बाद महिलाओं ने इस अमल में लाया.

अयोध्या में भोग लगाने के बाद भेजा जाता है विदेश

जानकारी के अनुसार बस्ती जिले के रहने वाले युवा उद्यमी मनीष मिश्रा गांव ने बेरोज़गार और गरीब महिलाओं को रोजगार के लिए पहले तो पेड़े बनाने की ट्रेनिंग दी. उसके बाद उन्हें रा-मैटेरियल देकर काम की शुरुआत की और धीरे-धीरे महिलाओं का कारवां बढ़ता गया और आज 500 गरीब महिलाएं इस रोजगार से जुड़ीं हैं. ये महिलाएं हजारों रुपए कमाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं, सबसे हैरानी कि बात यह है कि इस काम में मुस्लिम महिलाएं भी अपना हाथ बंटाती हैं. ‘राम जी का पेड़ा’ देशी स्टाइल में बेहद ही स्वच्छता और हाइजीन तरीके से बनाया जाता है. जिसे लकड़ी के चूल्हे पर दूध में गुड़ डालकर शुद्ध देशी घी में पकाया जाता है. चूल्हे पर पकने की वजह से पेड़े में सोंधी खुशबू आ जाती है. जिससे इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है. गुड़ से बने इस पेड़े की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पूर्ण रूप से शुगर फ्री होता है. जिस वजह से इसकी देश विदेश के बाजारों में मांग है. ‘राम जी पेड़ा’ बनने के बाद पहले अयोध्या जाता है. यहां भगवान राम को भोग लगाया जाता है फिर देश- विदेश में इसकी सप्लाई की जाती है. दो दिनों में ही तैयार हो जाता है कई किलो पेड़ा इस संस्था के मैनेजर ने बताया कि हमारा ‘राम जी का पेड़ा ‘देश ही नहीं बल्कि विदेशों में जैसे रूस व यूरोप जैसे देशों में सप्लाई किया जा रहा है. ऑर्डर आने के बाद महिलाएं काम में जुट जाती हैं. दो दिनों में ही कई किलो पेड़े बनाकर उसे मटके में पैक कर देती हैं.

मरने वाले भाजपा सभासद के भाई और भतीजा, बर्थडे बॉय ने ही जिम में की फायरिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की पिछले 24 घंटे से पूरे देश में चर्चा हो रही है। दरअसल, शनिवार रात यहां जिम में पार्टी के दौरान बर्थडे बॉय ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से तीन लोगों की तड़पकर मौत हो गई। मरने वालों में से भाजपा सभासद के दो भाई और एक भतीजा हैं। सुभाष मार्ग पर लाल कुंआ मोहल्ला निवासी संजय सैनी वार्ड 24 से सभासद हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार रात को घर से थोड़ी दूर स्थित जिम में जीतू सैनी की जन?मदिन पार्टी थी। इसमें जिम में आने वाली सभी युवक आमंत्रित थे। इसमें संजय का चचेरा भाई अमरदीप भी गया, जो जीतू का खास दोस्त था। अमरदीप अपने साथ संजय के सगे भाई मनीष और भतीजे आकाश को भी पार्टी में लेते गया। रात 11 बजे चेहरे पर केक लगा देने को लेकर जीतू और अमरदीप में बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया।

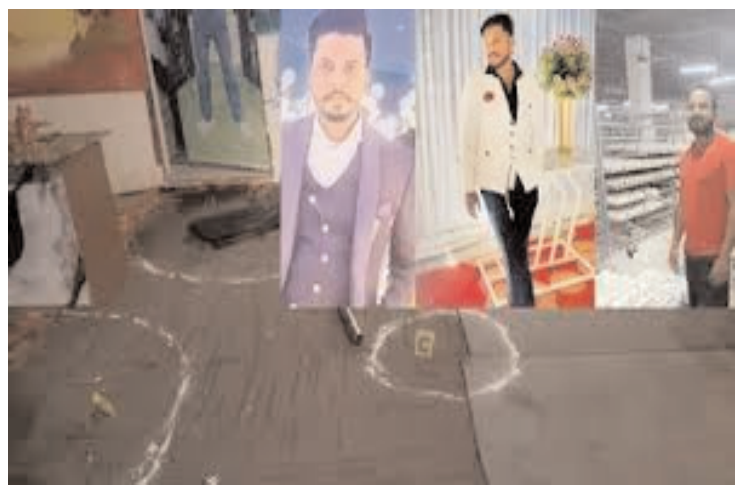

अमरदीप ने गाली गलौज शुरू कर दी। इस पर जीतू सैनी नाराज हो गया। इसके बाद जीतू वहां से चला गया। सीसीटीवी का डीवीआर निकाल भाग गया जीतू सैनी एक घंटे बाद जीतू अपने साथियों के साथ जिम पर पहुंचा। जीतू के पास लाइसेंसी पिस्टल थी। गुस्से में भरे जीतू ने अमरदीप, मनीष और आकाश पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलते ही जिम में अफरातफरी का माहौल बन गया। इसके बाद जीतू ने जिम में लगे सीसीटीवी का डीवीआर निकाला और वहां से भाग निकला। धर्मशाला को लेकर भी चल रहा था विवाद इस बीच, स्थानीय लोगों ने ये भी कयास लगाए हैं कि दोनों परिवारों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ है। दरअसल, अमरदीप और जीतू के घर के पास सैनी धर्मशाला को लेकर पुराने समय से विवाद चल रहा था। आरोपी जीतू सैनी बहुजन समाजवादी पार्टी से नगर अध्क्ष भी रह चुका है। जिम से शराब की बोतलें बरामद सीओ शशांक श्रीवास?तव ने बताया कि जिम से शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं। साथ ही जली और अधजली सिगरेट भी बरामद किए गए हैं। डीआईजी कलानिधि नैथानी का कहना है कि हत्या के कारण और आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगी हैं। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।मुस्लिम महिलाओं के हाथों का बना ‘रामजी का पेड़ा’ देश-विदेश में मचा रहा धमाल,

ससुराल में दामाद का तांडव: पत्नी-सास का गला रेता, चार साल पहले घर से भागकर की थी लव मैरिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. चार साल पहले लव मैरिज करने वाले युवक ने अपनी ससुराल में पहुंचकर पत्नी और सास की चाकू से गोदकर हत्या कर दी. वहीं ससुर गंभीर रूप से घायल हैं. वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. पुलिस उसकी तलाश में जुटी है. उत्तर प्रदेश के बलिया से दहला देने वाली वारदात सामने आई है. नगरा थाना क्षेत्र के बछईपुर गांव में दामाद ने अपनी ससुराल में घुसकर ऐसा तांडव मचाया कि लोगों की रूह कांप उठी. उसने पत्नी का चाकू से कत्ल कर दिया. फिर सास को भी मार डाला. वहीं ससुर की हालत गंभीर है. आरोपी ने चार साल पहले लव मैरिज की थी. आरोपी की पहचान अमित गुप्ता के रूप में हुई है, जिसने पत्नी प्रीति और सास सुशीला देवी की बेरहमी से हत्या कर दी है. बीच-बचाव करने आए ससुर अंतु गुप्ता पर भी हमला किया, जो गंभीर हालत में वाराणसी रेफर कर दिए गए. प्रीति और अमित ने साल 2022 में लव मैरिज की थी. शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखा, लेकिन समय के साथ रिश्तों में दरार

बढ़ती गई. परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद भी दोनों के बीच विवाद खत्म नहीं हुआ और हालात लगातार बिगड़ते गए हाल ही में प्रीति अपने मायके आकर रह रही थी. बीती रात आरोपी अमित अचानक ससुराल पहुंचा. वह सीधे कमरे में घुस गया और अपनी पत्नी से बच्चे को छीनने की कोशिश करने लगा. जब प्रीति ने विरोध किया तो अमित ने गुस्से में आकर उस पर चाकू से हमला कर दिया. चीख-पुकार सुनकर जब सास और ससुर बचाने आए तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया. इस हमले में प्रीति और सुशीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंतु गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए. वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया. घटना के बाद चीख-पुकार मच गई. पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जायजा लिया. पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. गंभीर रूप से घायल ससुर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. मृतका के परिजनों का आरोप है कि विदाई के बाद अमित प्रीति को अपने घर न ले जाकर कहीं और ले गया था और उसके साथ मारपीट की थी. प्रीति पिछले 10 दिनों से अपने मायके में रह रही थी. मृतका की बहन ने कहा कि बीती रात अमित दबे पांव ससुराल पहुंचा. आरोपी ने चार साल पहले लव मैरिज की थी. आरोपी की पहचान अमित गुप्ता के रूप में हुई है, जिसने पत्नी प्रीति और सास सुशीला देवी की बेरहमी से हत्या कर दी है. बीच-बचाव करने आए ससुर अंतु गुप्ता पर भी हमला किया, जो गंभीर हालत में वाराणसी रेफर कर दिए गए. प्रीति और अमित ने साल 2022 में लव मैरिज की थी. शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखा, लेकिन समय के साथ रिश्तों में दरार बढ़ती गई. परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद भी दोनों के बीच विवाद खत्म नहीं हुआ और हालात लगातार बिगड़ते गए. हाल ही में प्रीति अपने मायके आकर रह रही थी. बीती रात आरोपी अमित अचानक ससुराल पहुंचा

एक मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह तो दूसरे में लाश मिलने से हड़कंप,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रोहिणी। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को दो ऐसे मामले आए जिससे हड़कंप मच गया। रोहिणी सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन पर बम की धमकी मिली। इस अलर्ट के बाद, बम निरोधक दस्ता और बम डिटेक्शन टीम, CISF जवानों के साथ, तुरंत मौके पर पहुंची और मेट्रो स्टेशन

परिसर का मुआयना किया। हालांकि, वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उधर, DMRC के एक अधिकारी ने बताया कि मेट्रो सेवा पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। वहीं इससे अलग एक घटना में, इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिलाओं के टॉयलेट में एक लाश मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने बताया कि टॉयलेट अंदर से बंद था। इसे किसी तरह दरवाजा तोड़कर खोला गया। पुलिस को शक है कि मृतक शायद उस वॉशरूम सर्विस का केयरटेकर रहा होगा।

रोहिणी सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन पर बम की धमकी

रोहिणी सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन पर शनिवार शाम बम की धमकी वाले एक फोन कॉल से सुरक्षा को लेकर हड़कंप मच गया, लेकिन गहन जांच के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मेट्रो स्टेशन पर बम होने की आशंका के संबंध में शाम लगभग 5:30 बजे सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते के जवान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और परिसर की व्यापक तलाशी ली। जांच में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध: पुलिस पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने इस फर्जी कॉल करने के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ है। जैसे ही बम की अफवाह सामने आई स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया और मेट्रो स्टेशन पर सामान्य परिचालन बिना किसी बाधा के जारी रहा। मेट्रो स्टेशन पर महिला टॉयलेट से मिला शव उत्तर-पश्चिम दिल्ली के इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय से शनिवार को एक पुरुष का शव मिला है। पुलिस ने बताया कि शौचालय का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने बताया कि शाम लगभग 5.33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को फोन कॉल पर सूचना मिली कि मेट्रो स्टेशन के अंदर सुलभ परिसर में स्थित महिलाओं का शौचालय अंदर से बंद है और उससे तेज दुर्गंध आ रही है।

दिल्ली में मुफ्त बस यात्रा के लिए एक जुलाई से बदल रहे नियम, अब यह कार्ड होगा अनिवार्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में आगामी 1 जुलाई से महिलाएं बगैर पिंक स्मार्ट कार्ड को टैप करे मुफ्त सफर नहीं कर पाएंगी। बसों में पिंक टिकट बंद कर दिया जाएगा, महिलाओं को मुफ्त सफर के

लिए पिंक स्मार्ट कार्ड अनिवार्य होगा। दिल्ली में बीते मार्च से अब तक कुल 5.74 लाख से अधिक महिलाएं पिंक स्मार्ट कार्ड बनवा चुकी है, अभी इसे बनवाने के लिए दो महीने का समय और बचा हुआ है। डीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, बसों में रोजाना औसतन 6-7 लाख महिलाएं सफर करती हैं। साढ़े पांच लाख से ज्यादा महिलाएं अपना पिंक स्मार्ट कार्ड बनवा चुकी है। मगर देखने में आया कि अभी भी सफर कर रही महिलाओं में से 6 से 7 फीसदी महिलाएं ही पिंक स्मार्ट कार्ड को टैप करके सफर कर रही है। मई-जून में गर्मी है, इसलिए हम पिंक स्मार्ट कार्ड को अभी अनिवार्य नहीं कर रहे हैं, मगर जुलाई से इसे अनिवार्य कर दिया जाएगा। दिल्ली में महिलाओं को मुफ्त सफर की योजना साल 2019 में तत्कालीन सरकार ने शुरू की थी। मौजूदा सरकार ने भी 2026-27 में इसके लिए 450 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है लेकिन सिर्फ दिल्ली की महिलाओं को लाभ देने के लिए पिंक स्मार्ट कार्ड बना रही है। बीते मार्च से पिंक स्मार्ट बनाने का काम चल रहा है। वर्तमान में कुल 58 सेंटर पर यह काम चल रहा है। डीटीसी कराएगी रैंडम सर्वेद्ध डीटीसी के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि हम अगले कुछ दिनों में बसो के अंदर महिलाओं के बीच रैंडम सर्वे कराने जा रहे है। क्योंकि रोजाना 6-7 लाख महिलाएं सफर करती है। अब तक साढ़े पांच लाख महिलाओं के पास पिक स्मार्ट कार्ड भी है तो उसे सिर्फ 5-6 हजार महिलाएं ही क्यों यूज कर रही है। क्या महिलाओं के पास कार्ड नहीं है, क्या वह दूसरे राज्य की महिलाएं है या कंडक्टर उनसे कार्ड के लिए पूछता ही नहीं है।

दिल्ली NCR में नशीली दवाओं की स्मगलिंग... युवाओं को निशाना बनाने वाले ड्रग्स सिंडिकेट की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. राजधानी की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो प्रतिबंधित दवाओं की अवैध तरीके से सप्लाई कर रहा था. इस दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से भारी मात्रा में अल्प्राजोलम टैबलेट, ट्रामाडोल कैप्सूल और कोडीन युक्त कफ सिरप मिला. पुलिस के मुताबिक, आरोपी बिना किसी लाइसेंस के इन दवाओं की सप्लाई दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न इलाकों में कर रहे थे. जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क पिछले कई वर्षों से एक्टिव था. खासतौर पर युवाओं को निशाना बना रहा था. प्रतिबंधित दवाओं का इस्तेमाल नशे के रूप में किया जा रहा था, जिससे युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था.
दिल्ली पुलिस को इस अवैध कारोबार की जानकारी काफी समय से मिल रही थी. इसके बाद क्राइम ब्रांच ने सूचना के आधार पर अभियान चलाया. कई दिनों की निगरानी और तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोच लिया. तलाशी के दौरान उनके पास से बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद हुईं.
बरामद सामग्री में अल्प्राजोलम की हजारों गोलियां, ट्रामाडोल कैप्सूल और कोडीन आधारित कफ सिरप की कई बोतलें शामिल हैं. पुलिस का कहना है कि बाजार में इनकी कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन दवाओं की सप्लाई कहां से हो रही थी और इन्हें किन-किन इलाकों में भेजा जाता था. साथ ही, इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी तेज कर दी गई है.
दिल्ली पुलिस का कहना है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले ऐसे गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी. अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी कीमत पर राजधानी में नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा. फिलहाल तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

झोपड़ी में रखे 7 लाख रुपए धू-धू कर जले, अधजले नोटों की गड्डियां देख फफक पड़ा मजदूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। झोपड़ी में रखे 7 लाख रुपए धू-धू कर जले शनिवार की दोपहर देवास-भोपाल हाईवे पर स्थित नेवरी फाटा इलाके के लिए कयामत बनकर आई। पुलिस चौकी के ठीक पीछे स्थित 4 झोपड़ियों में अचानक लगी आग ने सब कुछ राख कर दिया। झोपड़ियों में रहने वालों ने किसी तरह जान बचाई, लेकिन अधिकांश सामान जल गया। सूचना मिलते ही देवास और सोनकच्छ से फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंचीं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

'पैसे निकालने भागा, पर लोगों ने रोक लिया'

पीड़ित बाबूलाल नाथ ने अपनी दास्तां सुनाते हुए बताया कि वह साबूदाना और प्लास्टिक का सामान बेचने का काम करता है। अभी दो दिन पहले ही वह महाराष्ट्र से सामान बेचकर लौटा था। इंदौर में कर्ज चुकाने के लिए उसने मक्सी स्थित अपना घर भी गिरवी रखा था। कुल 7 लाख रुपए घर के अलग-अलग कोनों में रखे थे। आग लगते ही बाबूलाल ने पहले पत्नी और बच्चों को बाहर निकाला, वैन हटाई और फिर पैसों के लिए झोपड़ी में घुसने लगा, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि लोगों ने उसे पकड़कर पीछे खींच लिया। नतीजा यह हुआ कि 7 लाख में से करीब ढाई लाख रुपए अधजले मिले, जो अब किसी काम के नहीं रहे।

खेत की आग या लापरवाही बाबूलाल का आरोप है कि झोपड़ियों से सटे खेत में आग जल रही थी, जिसने लकड़ियों के ढेर को चपेट में ले लिया। हालांकि, खेत मालिक ने इन आरोपों को खारिज किया है। इस भीषण आग की चपेट में आने से पास ही स्थित खाटूश्याम मंदिर को भी नुकसान पहुंचा है। देवास और सोनकच्छ की फायर ब्रिगेड ने करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई, लेकिन तब तक सिर्फ राख और जले हुए बर्तन ही बचे थे। आग की सूचना मिलते ही नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंची थीं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया गया। झोपड़ियां पूरी तरह जल चुकी हैं। प्रतीक शास्त्री, असिस्टेंट फायर ऑफिसर, देवास नगर निगम गर्भवती महिला ने भागकर बचाई जान हादसा कितना भयावह था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां मौजूद गर्भवती सरोज ने सोती हालत में आग देखी और जान बचाने के लिए बदहवास होकर बाहर भागी।

पुणे में बस चुराकर भाग रहा था 20 साल का युवक, रॉन्ग साइड में दौड़ाई, मच गई अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। की व्यस्त सड़कों पर शनिवार शाम अचानक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने राह चलते लोगों की धड़कनें बढ़ा दीं. सड़क पर तेज रफ्तार से दौड़ती एक सरकारी बस, वह भी रॉन्ग साइड में... लोग पहले तो समझ ही नहीं पाए कि आखिर हो क्या रहा है. लेकिन जब बस बेकाबू अंदाज में आगे बढ़ती दिखी, तो हर तरफ अफरा-तफरी मच गई. पुलिस का कहना है कि बस को एक युवक चोरी कर भाग रहा था. उसे पकड़ लिया गया.

घटना शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे डेक्कन बस स्टैंड के पास हुई. पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड (PMPML) की एक बस अचानक गायब हो गई. कुछ ही मिनटों बाद वही बस शहर की सड़कों पर गलत दिशा में दौड़ती नजर आई. जिसने भी यह नजारा देखा, वह हैरान रह गया. आरोपी की पहचान 20 वर्षीय गोपाल बलरामसिंह राणा के रूप में हुई है. शुरुआती जांच में पता चला है कि वह एक प्राइवेट कंपनी में बस ड्राइवर है. डेंगले ब्रिज इलाके से गोपाल PMPML की बस लेकर भाग रहा था.

इस दौरान पुणे की सड़कों पर हाई-वोल्टेज ड्रामा चला. बस रॉन्ग साइड में दौड़ती हुई गुडलक चौक की ओर बढ़ने लगी. सड़क पर मौजूद वाहन चालकों और पैदल यात्रियों में हड़कंप मच गया. कई लोग अपनी गाड़ियां किनारे लगाने लगे, तो कुछ ने बस को रोकने की कोशिश की.

गनीमत यह रही कि बस में कोई यात्री सवार नहीं था. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस की रफ्तार और चालक का अंदाज देखकर लोग दहशत में आ गए थे. कुछ बहादुर लोगों ने पीछा किया और आखिरकार गुडलक चौक के पास बस को रुकवा लिया.

जैसे ही बस रुकी, स्थानीय लोगों ने तुरंत आरोपी को ड्राइवर सीट से नीचे उतार लिया. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और गोपाल राणा को हिरासत में ले लिया. पुलिस ने राहत की सांस ली कि इस पूरे घटनाक्रम में कोई घायल नहीं हुआ.

सवाल है कि आखिर गोपाल ने ऐसा क्यों किया? पुलिस जांच कर रही है कि घटना के वक्त वह नशे में था या नहीं. मेडिकल जांच कराई जा रही है. शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है. बस को कैसे और किन परिस्थितियों में उसने अपने कब्जे में लिया, इसकी भी पड़ताल की जा रही है.

ऑनलाइन सिर्फ 299 की ड्रेस खरीदना मुंबई की नर्स को पड़ा महंगा, गंवाए 1 लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मायानगरी। मुंबई में साइबर अपराधियों ने एक प्राइवेट अस्पताल की नर्स को अपनी ठगी का शिकार बनाया है. महज 299 रुपये की एक सस्ती ड्रेस खरीदने की कोशिश में नर्स ने अपने मेहनत की कमाई के 1 लाख रुपये गंवा दिए. देवनार पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. देवनार पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के एक हॉस्टल में रहने वाली इस नर्स ने 16 अप्रैल से 20 अप्रैल के बीच ये पैसे गंवा दिए. अपनी शिकायत में नर्स ने बताया कि उसे Facebook पर एक विज्ञापन दिखा, जिसमें सिर्फ़ 299 रुपये में ड्रेस मिल रही थी. इसके बाद उसने एक ड्रेस खरीदने की कोशिश की. दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति ने पहले तो ड्रेस के लिए पेमेंट मांगा, लेकिन बाद में शिपिंग चार्ज, GPS चार्ज, ट्रैकिंग फीस, वेरिफिकेशन कोड और एड्रेस कन्फर्मेशन जैसे अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे ऐंठना जारी रखा. नर्स ने पुलिस को बताया कि उसने पांच दिनों में 1 लाख रुपये भेजे, और उसे बार-बार भरोसा दिलाया गया कि ज़्यादातर पैसे वापस कर दिए जाएंगे और ऑर्डर डिलीवर हो जाएगा. जब कुछ नहीं हुआ, तो उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है. नर्स ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई. देवनार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि यह धोखाधड़ी Facebook विज्ञापन, एक WhatsApp नंबर और इस्तेमाल करके की गई थी.

आग की लपटें, इमरजेंसी दिल्ली से ज्यूरिख जाने वाली फ्लाइट में यात्रियों का हुआ मौत से सामना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: दिल्ली से ज्यूरिख जाने वाली स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस (SWISS) की एक फ्लाइट बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई। इस फ्लाइट के इंजन में खराबी और आग लगने के बाद टेकऑफ से रोक दिया। यही नहीं फ्लाइट को रनवे पर ही खाली कराया गया। स्लाइड के सहारे यात्रियों को इमरजेंसी में बाहर निकलना पड़ा। इस दौरान कुछ यात्री घायल भी हो गए। इनमें से छह यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये पूरा घटनाक्रम दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुआ। जिस तरह से पूरा घटनाक्रम सामने आया उससे यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। हालांकि, एयरलाइन ने फ्लाइट के प्रभावित सभी यात्रियों के रहने और आगे की यात्रा को लेकर जरूरी कदम उठाए। दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट में आग से हड़कंप ये चौंकाने वाला मामला रविवार तड़के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सामने आया, जब दिल्ली से ज्यूरिख जा रही SWISS की एक फ्लाइट ने टेकऑफ रोक दिया। रनवे पर ही उसे खाली कराया गया, जिसके बाद छह यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना तब हुई जब टेकऑफ के दौरान विमान का एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके चलते क्रू को विमान रोकना पड़ा। रनवे पर ही यात्रियों का इमरजेंसी इवैक्यूएशन शुरू करना पड़ा। फ्लाइट के यात्रियों का कैसे हुआ मौत से सामना एयरबस330, जो फ्लाइट LX147 के तौर पर उड़ान भरने के लिए पूरी तरह से तैयार थी। स फ्लाइट में 232 यात्री (जिनमें चार नवजात बच्चे) और क्रू मेंबर्स सवार थे। यह विमान देर रात करीब 1:08 बजे रनवे 28 पर तेजी से आगे बढ़ रहा था। टेकऑफ के लिए पायलट पूरी तरह तैयार थे, तभी विमान में तकनीकी खराबी सामने आई। इंजन में खराबी फिर आग की लपटें नजर आई, जिसके बाद इमरजेंसी इवेक्यूएशन का फैसला लिया गया फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, क्रू की ओर से टेकऑफ रद्द किए जाने से पहले विमान 104 नॉट्स की गति तक पहुंच चुका था। यात्रियों और को इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके बाहर निकाला गया। इमरजेंसी एग्जिट के दौरान 6 यात्रियों का आई चोटें जिस तरह से अफरा-तफरी में फ्लाइट को खाली कराया गया उसमें बाहर निकाले जाने के दौरान छह यात्रियों को चोटें आई। उन्हें इलाज के लिए मेदांता अस्पताल ले जाया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, जब तक विमान को वहां से हटाया नहीं जाता, तब तक ये रनवे बंद रहेगा। SWISS एयरलाइंस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हमें दिल्ली में फ्लाइट LX147 से जुड़ी एक घटना के बारे में पता चला है। इस घटना में शामिल विमान एक है।

5 लीटर पेट्रोल के लिए बेटे ने पिता को दी तालिबानी सजा, गैंती से फाड़ दिया सिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। जिले के म्याना थाना क्षेत्र के ग्राम सगोरिया में इंसानियत और रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा कांप जाए। महज गाड़ी की चाबी और पेट्रोल के एक मामूली विवाद ने एक हंसते-खेलते परिवार को मातम में बदल दिया। यहां एक कलयुगी बेटे ने अपने ही 48 वर्षीय पिता रमेश जाटव के सिर पर गैंती से ऐसा वार किया कि उनका आधा सिर बीच से फट गया। अस्पताल में 6 घंटे तक चले जिंदगी और मौत के संघर्ष के बाद पिता ने दम तोड़ दिया।

'चाबी नहीं दूंगा, टंकी फुल कराई है'

घटना उस समय हुई जब रमेश जाटव का परिवार एक शादी में जाने की तैयारी कर रहा था। रमेश ने अपने बेटे से कहीं जाने के लिए गाड़ी की चाबी मांगी। बेटा इस बात पर अड़ गया कि उसने अपनी जेब से पेट्रोल भरवाया है, इसलिए वह गाड़ी नहीं देगा। पिता ने नरमी से कहा, 'बेटा, तू अपना पेट्रोल निकाल ले, हम फिर से भरवा लेंगे।' बस, यही बात उस सनकी बेटे को चुभ गई। वह चाबी लाने के बहाने घर में गया और गैंती लेकर निकला। 6 घंटे चला मौत से मुकाबला तैश में आए बेटे ने पिता के सिर पर गैंती से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि रमेश का सिर खुल गया और भारी मात्रा में खून बहने लगा। परिजन उन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन गहरी चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण रात करीब 3 बजे रमेश की सांसें थम गईं। मामला दर्ज कर लिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और रात में ही घेराबंदी कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या में प्रयुक्त हथियार (गैंती) की जब्ती और वैधानिक कार्यवाही जारी है। बृजमोहन भदौरिया, थाना प्रभारी, म्याना पहले भी 4 बार कर चुका था हमला मृतक के बड़े बेटे ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि आरोपी भाई शुरू से ही हिंसक प्रवृत्ति का था।

वह पहले भी अपने पिता पर 3 से 4 बार जानलेवा हमला कर चुका था। हर बार पारिवारिक बदनामी के डर से मामला दबा दिया जाता था, की लाश के रूप में सामने आया है।

'एक भी आरोप साबित हुआ तो सारी संपत्ति...' आरोपों पर हर्षा रिछारिया ने VIDEO जारी कर दी चुनौती

उज्जैन. में संन्यास को लेकर उठे विवाद ने अब एक नया मोड़ ले लिया है. स्वामी हर्षानंद गिरि, जिन्हें पहले हर्षा रिछारिया के नाम से जाना जाता था, ने अपने ऊपर लगे आरोपों का खुलकर जवाब देते हुए एक वीडियो जारी किया है. इस वीडियो में उन्होंने न केवल सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया, बल्कि आरोप लगाने वालों को सीधी चुनौती भी दी है. हर्षानंद गिरि ने कहा कि यदि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों में से एक भी साबित हो जाता है, तो वे अपनी पूरी संपत्ति समर्पित कर देंगी. वहीं, अगर सभी आरोप गलत साबित होते हैं, तो वे आरोप लगाने वालों के खिलाफ 1 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दर्ज करेंगी. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे अपनी बैंक डिटेल्स सार्वजनिक करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ताकि किसी भी तरह के आर्थिक आरोपों की सच्चाई सामने आ सके. दरअसल, यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब भोपाल की रहने वाली हर्षा रिछारिया ने अपना पिंडदान कर संन्यास ग्रहण करते हुए सनातन धर्म को पुनः अपनाने की घोषणा की. उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में उन्हें सुमनानंदजी महाराज द्वारा दीक्षा दी गई. इसके बाद वे स्वामी हर्षानंद गिरि के नाम से जानी जाने लगीं. हालांकि, उनके इस संन्यास को संत समाज के एक वर्ग ने स्वीकार नहीं किया. अनिलानंद महाराज, जो मध्य प्रदेश संत समिति के अध्यक्ष हैं, ने उनके संन्यास पर सवाल उठाए. उनका कहना है कि संन्यास कोई साधारण प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह वर्षों की तपस्या, अनुशासन और साधना का परिणाम होता है. ऐसे में बार-बार संन्यास लेने जैसी घटनाएं सनातन परंपराओं की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं. अनिलानंद महाराज ने यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण के पीछे विदेशी फंडिंग का हाथ हो सकता है और इसे प्रचार पाने के उद्देश्य से किया गया कदम बताया. उन्होंने अखाड़ा परिषद से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है, ताकि परंपराओं के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ न हो सके. वहीं, हर्षानंद गिरि ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है और कहा है कि वे किसी भी जांच के लिए तैयार हैं. उनका कहना है कि वे सनातन धर्म और उसकी परंपराओं का पूरी श्रद्धा के साथ पालन कर रही हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप केवल उनकी छवि खराब करने की कोशिश हैं. गौरतलब है कि हर्षा रिछारिया प्रयागराज महाकुंभ के दौरान चर्चा में आई थीं और तब से वे लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. अब यह विवाद आगे किस दिशा में जाता है.

E-FIR से आरोपियों के नाम हटाने पर पुलिस को फटकार, जस्टिस बीपी शर्मा बोले- बयान दर्ज करो तो वीडियो भी बनाओ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर: डिजिटल इंडिया के दौर में ई-एफआईआर की सुविधा इसलिए दी गई थी ताकि आम जनता को पुलिस थानों के चक्कर न काटने पड़ें, लेकिन मध्य प्रदेश पुलिस ने इसे अपनी पसंद-नापसंद का जरिया बना लिया। जबलपुर हाईकोर्ट ने भोपाल की डॉ. अंजलि मिश्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस की इस कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मामला इतना गंभीर हो गया कि कोर्ट ने अब बयान दर्ज करने के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य कर दी है ताकि खाकी अपनी कलम से सच को दबा न सके।

क्या है पूरा मामला?

भोपाल की डॉ. अंजलि मिश्रा ने कुछ रसूखदार पदाधिकारियों के खिलाफ ई-एफआईआर दर्ज कराई थी। उनकी शिकायत में कई आरोपियों के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज थे। लेकिन, जब पुलिस ने असल में केस दर्ज किया, तो खेल हो गया। पुलिस ने सिलेक्टिव अप्रोच अपनाते हुए केवल कुछ ही लोगों को आरोपी बनाया और बाकी के नाम गायब कर दिए। आरोप है कि ऐसा पुलिस ने केस को कमजोर करने और रसूखदारों को बचाने के लिए किया। कोर्ट में पुलिस की खिंचाई याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली ने कोर्ट को बताया कि घटना के इतने समय बाद भी पुलिस ने धारा 161 CrPC (पुलिस द्वारा गवाहों की जांच) के तहत पीड़िता के बयान तक दर्ज नहीं किए हैं। जस्टिस बीपी शर्मा की एकलपीठ ने इसे पुलिस की घोर लापरवाही माना। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए राज्य सरकार से विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तलब की है।

जब भी याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया जाए, वह वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ होना चाहिए, ताकि प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। पुलिस अपनी मर्जी से आरोपियों को चुन नहीं सकती। जस्टिस बीपी शर्मा, मप्र हाईकोर्ट (आदेश का सारांश)

पारदर्शिता के लिए वीडियो का पहरा

कोर्ट ने इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जब भी याचिकाकर्ता के बयान दर्ज किए जाएं, उसकी पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए। यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है

सरकारी अस्पताल में अटेंडर ने की ब्रेस्ट सर्जरी, ठीक नहीं हुई महिला तो हर दिन लगाता रहा चीरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदापुरम। जिले से एक ऐसी सनसनी खबर सामने आई है, जिसने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है. पिपरिया सिविल अस्पताल में डॉक्टर नहीं, बल्कि एक ओटी अटेंडर ही 'सर्जन' बन बैठा और उसने बिना पर्ची, बिना जांच और बिना डॉक्टर के महिला के स्तन की सर्जरी कर दी. आरोप है कि ओटी अटेंडर बरसाती लाल मांझी ने एक 20-22 साल की महिला जो हाल ही में मां बनी है, उसके स्तन की गांठ का खुद ही ऑपरेशन कर डाला.

यहीं नहीं ऑपरेशन और इसके बाद भी खेल जारी रहा. महिला को 7 से 8 बार अस्पताल बुलाया गया और हर बार ड्रेसिंग के नाम पर 1000 से 1500 रुपये वसूले गए. कुल मिलाकर करीब 10 हजार रुपये ऐंठ लिए गए. मामले का खुलासा तब हुआ, जब आशा कार्यकर्ता महिला के घर पहुंची. महिला एक तरफ से ही बच्चे को स्तनपान करा रही थी. शक हुआ तो पूछताछ की तो चौंकाने वाली कहानी सामने आई. ऑपरेशन के बाद भी ठीक नहीं हुई छाती पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है. चौंकाने वाली बात ये भी है कि ये पहला मामला नहीं है. इससे पहले भी आरोपी बिना डॉक्टर की जानकारी के सर्जरी कर चुका है. फिलहाल, स्वास्थ्य विभाग ने शिकायत के बाद अटेंडर बरसाती लाल मांझी को निलंबित कर दिया है. बीएमओ पिपरिया रिचा कटवार ने बताया कि संगीता नाम की महिला हैं, जो कि सिंगानामा की रहने वाली हैं. महिला को आशा द्वारा लाया गया था. महिला की छाती से पस निकल रहा था. जिसके बाद महिला की अटेंडर ने सर्जरी कर डाली. हालांकि फिर भी छाती नहीं ठीक हुई तो अटेंडर बार-बार अस्पताल बुलाकर चीरा लगाता रहा. मामले में हमने बरसाती लाल को कारण बताओ नोटिस भी भेज दिया है. CMHO को इसके बारे में अवगत भी कराया गया है. साथ ही थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई है. बरसाती लाल की इसके पहले भी काफी शिकायतें आई हैं और वो शुरुआत से विवादों में रहा है.

पहले भी विवादों में रह चुका है बरसाती लाल

बरसाती लाल पहले पचमढ़ी में था. वहां से उसको हटा दिया गया. फिर वो उमरधा में आ गया. वहां भी वह विवादों में आया तो उसे यहां भेज दिया गया. बरसाती की गतिविधियां यहां भी संदिग्ध थीं, जिसके चलते कई बार उसकी सैलरी भी रोकी गई. पीड़िता के पति प्रशांत ठाकुर ने बताया की हमारी पत्नी को छाती में पस की समस्या थी.

अमित शाह ने पूरा किया अपना वादा, सिंधिया को हराने वाले डॉ. केपी यादव का करा दिया 'पावरफुल' कमबैक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले डॉ केपी यादव, जिन्हें सिंधिया के भाजपा में आने के बाद गुना लोकसभा से टिकट काट दिया था। अब उन्हें मध्य प्रदेश सरकार ने निगम मंडल में जगह दी है, जिसे लोग अमित शाह के द्वारा दिया हुआ वचन पूरा करने के रूप में भी देख रहे है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में लगातार निगम मंडल की नियुक्तियां की जा रही है।

ऐसे में लंबे समय से निगम मंडल में अपने नेताओं को जगह दिलाने के लिए एमपी में जोर आजमाइश के साथ ही नेता दिल्ली तक दौड़ लगा रहे थे। ऐसे में शनिवार की देर रात गुना लोकसभा के पूर्व सांसद डॉक्टर केपी यादव को मध्यप्रदेश स्टेट सप्लाइज कॉरपोरेशन लिमिटेड में संचालक नियुक्त किया गया है।

लोकसभा चुनाव में अमित शाह ने किया था वादा

उल्लेखनीय है कि 2019 में ज्योतिरादित्य सिंधिया को गुना लोकसभा से डॉक्टर के पी यादव ने चुनाव हराया था और चर्चा में आए थे। जिसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस की सरकार गिरा कर मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई थी। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया राज्यसभा सांसद चुने गए और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में केपी यादव का टिकट काट कर गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव लड़ा था। इस दौरान पिपरई में गृहमंत्री अमित शाह ने मंच से डॉक्टर केपी यादव को लेकर कहा था कि वह उनकी राजनीतिक भविष्य की चिंता करेंगे और फिर लंबे इंतजार के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने गृहमंत्री अमित शाह के वादे को निभाया।

सिंधिया एवं केपी यादव के बीच दूरियां जारी

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं डॉक्टर केपी यादव में दूरियां जारी हैं। क्षेत्र में अक्सर सक्रिय ज्योतिरादित्य सिंधिया के शासकीय कार्यक्रमों में डॉ केपी यादव नदारद रहते हैं। वहीं क्षेत्र में होने वाले मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम में डॉ केपी यादव सक्रिय भूमिका में नजर आए, जिससे क्षेत्र में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बीच भी राजनीतिक खींचतान की खबर आती रहती हैं।

शिवाजी महाराज पर बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री के बयान से बवाल,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर बाबा के एक दावे के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने दावा किया है कि छत्रपति शिवाजी महाराज लगातार लड़ाइयों से थक गए थे और समर्थ रामदास स्वामी के पास गए। छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपना मुकुट उतारकर संत के चरणों में रख दिया और उनसे राज्य का शासन संभालने का आग्रह किया। उन्होंने हिंदुओं को चार बच्चे पैदा करने की सलाह देकर एक और बहस छेड़ दी और सुझाव दिया कि उनमें से एक को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को समर्पित कर देना चाहिए। यह विवाद इसलिए भी ज्यादा संवेदनशील है क्योंकि धीरेंद्र शास्त्री ने यह टिप्पणियां नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। खास बात है कि इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद थे। कांग्रेस ने साधा निशाना विपक्षी नेताओं ने धीरेंद्र शास्त्री और सत्ताधारी महायुति सरकार, दोनों पर इस भाषण के दौरान चुप रहने के लिए तीखा हमला बोला है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं विजय वडेट्टीवार और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे 'इतिहास का विकृत रूप' बताया। उन्होंने तर्क दिया कि शिवाजी महाराज स्वराज्य के लिए लड़ने से कभी 'थके' नहीं और राज्य को रामदास स्वामी को सौंपने की बात को ऐतिहासिक रूप से बेबुनियाद बताया। कांग्रेस ने पूछा- क्या धीरेंद्र शास्त्री के बयान से सहमत है बीजेपी कांग्रेस ने राज्य के इस महान नायक का अपमान करने के लिए धीरेंद्र शास्त्री की गिरफ्तारी की मांग की है। विजय वडेट्टीवार ने आगे कहा कि यह शर्म की बात है कि जब मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री राज्य के एक कार्यक्रम में मौजूद थे, तब ऐसे बयान दिए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि वे चुप क्यों रहे और क्या भारतीय जनता पार्टी इस बात से सहमत है कि शिवाजी महाराज ने अपना राजमुकुट किसी और को सौंप दिया था?

नाशिक में महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस की वॉर्निंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई : गैर-मराठी ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान आया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि ड्राइवरों को मराठी आनी चाहिए, लेकिन भाषा को लेकर किसी के साथ जोर-जबरदस्ती करना ठीक नहीं है। ऐसी कोशिश सरकार बर्दाश्त भी नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा, जिन ऑटो- टैक्सी चालकों को मराठी नहीं आती, उन्हें सिखाया जाना चाहिए। शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के नेता और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा था कि ऑटो- टैक्सी और ऐप आधारित सेवाओं (ओला, उबर, ई बाइक टैक्सी) से जुड़े गैर-मराठी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा था कि 1 मई से इनकी परीक्षा ली जाएगी और भाषा की जानकारी न रखने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। इस फैसले के विरोधी और समर्थक अब आमने-सामने आ गए है। सरकार में शामिल शिंदे सेना के नेता व पूर्व सांसद संजय निरुपम अपनी ही सरकार के विरोध में खड़े है। उन्होंने परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर नाराज़गी जताई है। इस संबंध में अगले सप्ताह परिवहन मंत्री ने बैठक बुलाई है। राज ठाकरे की पार्टी का प्रदर्शन निरुपम ने शुक्रवार को दहिसर के गणपत पाटील नगर में ऑटो टैक्सी चालकों से मुलाकात की थी और उनकी बात सरकार के सामने रखने का आश्वासन दिया था। हालांकि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवसेना निर्माण ने इस मामले में संजय निरुपम के खिलाफ प्रदर्शन भी किया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आखिरकार पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था और जैसे-तैसे इस स्थिति को संभाला था।

दिल्ली मेट्रो के महिला शौचालय में मिला शव, रोहिणी मेट्रो स्टेशन में बम होने की अफवाह से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को मेट्रो स्टेशनों पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी। एक ओर जहां रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह से हड़कंप मच गया, वहीं दूसरी ओर इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय के अंदर एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पहली घटना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:30 बजे बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, बम डिटेक्शन टीम और सीआईएसएफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंच गए। पूरे स्टेशन परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह एक फर्जी कॉल थी। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जो प्रारंभिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। अधिकारियों ने राहत की बात बताते हुए कहा कि इस घटना का मेट्रो सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा और परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। वहीं दूसरी घटना इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि स्टेशन के सुलभ परिसर में स्थित महिला शौचालय अंदर से बंद है और वहां से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां लगभग 40 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक शौचालय का केयरटेकर प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसे आखिरी बार करीब दो दिन पहले देखा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान की प्रक्रिया जारी है।

केदारनाथ मार्ग पर बारिश में कार खाई में गिरी, 4 लोगों को बचाया

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक कार 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गुप्तकाशी और गौरीकुंड के बीच जुरानी बैरियर के पास हुई इस घटना में महाराष्ट्र की तीन महिला तीर्थयात्रियों और चालक को पुलिस और बचाव दल ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले यातायात टीम ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही गुप्तकाशी पुलिस थाना, फाटा चौकी और यातायात पुलिस के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद, बचाव दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार से चालक समेत सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाई गई महिला तीर्थयात्रियों की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुषमा, साधना और लता के रूप में हुई है। सभी पीड़ितों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मुंबई में पाइप गैस के नाम पर साइबर ठगी : 30 दिन में 100 से ज्यादा लोग ठगे गए, 2.7 करोड़ की चपत

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट और एलपीजी की संभावित कमी की आशंकाओं के बीच साइबर ठगों ने नया तरीका अपनाकर मुंबई में लोगों को निशाना बनाया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के पाइप गैस उपभोक्ताओं और नए कनेक्शन के आवेदकों को फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए ठगकर पिछले 30 दिनों में 100 से अधिक लोगों से करीब 2.7 करोड़ रुपये ठग लिए गए हैं। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, ठगों ने लोगों को डराने के लिए 'आज रात कनेक्शन बंद हो जाएगा' जैसे मैसेज भेजे। इसके बाद उन्हें एक लिंक के जरिए मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा गया। यह फाइल असल में एक मालवेयर था, जिससे ठगों को फोन का रिमोट एक्सेस मिल जाता था और वे बैंकिंग जानकारी चुरा लेते थे। साइबर पुलिस के डीआईजी संजय शिंत्रे कहते हैं कि ठग पहले एसएमएस या व्हाट्सऐप पर बिल अपडेट न होने या भुगतान बाकी होने का झूठा मैसेज भेजते थे। फिर खुद को एमजीएल या इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का अधिकारी बताकर कॉल करते थे। वे लोगों को 'वेरिफिकेशन' या 'अपडेट' के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड कराते थे। इसे इंस्टॉल करते ही ठग फोन को कंट्रोल कर लेते थे और ओटीपी सहित बैंक डिटेल्स हासिल कर लेते थे। इसके बाद कुछ ही मिनटों में कई ट्रांजेक्शन कर लाखों रुपये उड़ा लेते थे। पीड़ितों में घरेलू सहायकों से लेकर शिक्षक, ड्राइवर, वकील, पत्रकार, व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी और बुजुर्ग शामिल हैं। उधर महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी संदिग्ध मैसेज के जरिए कनेक्शन बंद करने की धमकी नहीं देता। एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए नहीं कहता और बिल अपडेट के लिए अनजान नंबरों पर कॉल करने को नहीं कहता।

विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने बताए मलेरिया से बचाने के उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मच्छर भी आपके स्वास्थ्य के लिए बड़ी दिक्कत पैदा कर सकता है। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के बता कह कर कहा कि मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी के बचाव के लिए हमें क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, इन बीमारियों को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सावधानी जरूरी है। संगठन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने से रोकें और खुद को बचाएं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास जमे पानी को पूरी तरह हटा दें। मच्छर पानी में अंडे देते हैं, इसलिए गमलों, टायरों, बाल्टियों या किसी भी जगह पर पानी जमा न रहने दें। सूरज डूबने से लेकर सूरज उगने तक पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर काट न सकें। सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल जरूर करें। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं ताकि मच्छर घर के अंदर न आ सकें। इसके अलावा, लक्षणों पर नजर रखें जैसे मलेरिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मलेरिया के आम लक्षण हैं, बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान, सिरदर्द और मतली। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर देर न करें। वहीं, गंभीर लक्षण में भ्रम की स्थिति, सांस लेने में तकलीफ, दौरे पड़ना व गाढ़ा पीला पेशाब होना।

फंस गए चड्ढा? कपिल सिब्बल ने निकाला पेच, अब उसी पर सियासी चाल चलेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) अपने सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब पूरी तरह से आक्रामक और एक्शन मोड में नजर आ रही है। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक धोखा नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संकट मान रही है और इसे संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक ले जाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ-साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इन बागी सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने घोषणा की है कि वे राज्यसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र लिखकर इन सातों सांसदों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म करने की मांग करेंगे। संजय सिंह का तर्क है कि यह पूरा घटनाक्रम असंवैधानिक और संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टी की मंशा पंजाब से चुने गए इन सांसदों को वापस बुलाने यानी रिकॉल करने की मांग उठाने की है, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय संविधान में फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब राघव चड्ढा की अगुवाई में कुल दस में से सात सांसदों ने पाला बदलकर बीजेपी का दामन थाम लिया। बागी गुट में अशोक मित्तल, संदीप पाठक, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। बागी गुट का दावा है कि उनके पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए उनका विलय कानूनी रूप से वैध है। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ वकीलों का मानना है कि किसी भी विलय के लिए केवल सांसदों की सहमति काफी नहीं होती, बल्कि मूल पार्टी के स्तर पर भी औपचारिक प्रस्ताव आवश्यक है। आम आदमी पार्टी ने इस टूट के पीछे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी नेताओं को डराने और विपक्ष को कमजोर करने के लिए छापेमारी का सहारा लिया गया है। दूसरी ओर, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सांसदों की अंतरात्मा की आवाज करार दिया है। अब सभी की निगाहें राज्यसभा अध्यक्ष और राष्ट्रपति के रुख पर टिकी हैं कि वे इस संवैधानिक पेच पर क्या फैसला लेते हैं। यह मामला भविष्य में पंजाब की राजनीति और देश के दल-बदल कानून की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

तेलंगाना-चारमीनार एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे यात्री

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया, जहाँ चारमीनार एक्सप्रेस के एक कोच में अचानक आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी उसके एस-5 कोच से धुएं के साथ आग की तेज लपटें उठने लगीं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन की रफ्तार काफी कम थी, जिसके चलते किसी भी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के दौरान कोच में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

जैसे ही आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं, यात्रियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत चेन खींच दी। ट्रेन की गति धीमी होने के बावजूद दहशत में आए कुछ यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही खिड़कियों और दरवाजों से बाहर कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देखते ही देखते पूरा कोच आग की भट्ठी में तब्दील हो गया था, लेकिन समय रहते ट्रेन रुक जाने से आग अन्य डिब्बों तक नहीं फैल सकी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ट्रेन के कोच से भयावह काला धुआं और लपटें उठती देखी जा सकती हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पूरी जांच के बाद ही असली वजह सामने आ पाएगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है और मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रेनों में सुरक्षा मानकों और बिजली के रख-रखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस डिनर पार्टी में फायरिंग को लेकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

भारत को नरक कहने वालों... दिखा असली नरक

-ट्रंप ने बताया था भारत को नरक अब उन पर साधा जा रहा राजनीतिक तौर पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को 'नरक' कहा था, वह खुद गन हिंसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है। घटना के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। प्रियंका ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बंदूक हिंसा एक पुरानी और गंभीर समस्या है, जिस पर हर बड़ी घटना के बाद चर्चा तो होती है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण स्कूली बच्चों, निर्दोष नागरिकों और यहां तक कि राजनीतिक नेताओं की भी जान जा चुकी है। इस घटना के बहाने उन्होंने ट्रंप के उस बयान को भी याद दिलाया, जिसमें भारत और भारतीय प्रवासियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। प्रियंका ने कहा कि गन हिंसा से निपटने में विफलता के चलते अमेरिका खुद 'नरक जैसा' बनता जा रहा है।

कर्नाटक में सियासी हलचल तेज, सीएम बदलने की अटकलों को मिली हवा

दिल्ली में डटे डीके शिवकुमार, बेंगलुरु में सिद्धारमैया की 'सीक्रेट' बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बेंगलुरु में बंद कमरे की बैठक ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दावणगेरे उपचुनाव से जुड़ा विवाद अब पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। एक ओर शिवकुमार खेमे के नेता सक्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया समर्थक भी अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनियप्पा, सतीश जरकीहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडू राव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में संभावित कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा की गई।

वहीं दूसरी तरफ, डीके शिवकुमार अपने भाई डीके सुरेश के साथ दिल्ली पहुंचे और पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने इस बैठक को लेकर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि वे नेताओं को 'करीबी' या 'गैर-करीबी' के आधार पर नहीं आंकते। हालांकि सार्वजनिक मंचों पर दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है, लेकिन उनके समर्थकों के बयानों में मतभेद साफ नजर आ रहा है। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने दावा किया कि उनके पिता पूरे पांच साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। वहीं, शिवकुमार समर्थक विधायकों का कहना है कि मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी उपचुनाव और सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद पार्टी में बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खुद शिवकुमार ने भी संकेत दिए हैं कि 20 मई से पहले कुछ 'अप्रत्याशित घटनाक्रम' देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल, अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान के हाथ में है, लेकिन जिस तरह से दोनों खेमे सक्रिय हुए हैं, उससे साफ है कि कर्नाटक की राजनीति आने वाले दिनों में और ज्यादा गर्माने वाली है।

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी के बीच बारिश का रेड अलर्ट, ओलावृष्टि और तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से जूझ रहे भारत के कई राज्यों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जहां एक ओर मैदानी इलाकों में सूरज की तपिश चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश और तूफान की प्रबल संभावना बनी हुई है, जिसका असर आसपास के राज्यों पर भी देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 से 28 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जहाँ हवाओं की गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 27 से 30 अप्रैल के दौरान मौसम में बदलाव दिखेगा। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में भी 28 अप्रैल से 1 मई के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। आईएमडी का कहना है कि 28 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है, जिससे लू से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगामी कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल से 1 मई के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषकर असम और मेघालय में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले भीषण तूफान की चेतावनी दी गई है, जिससे जलभराव और दृश्यता कम होने की आशंका है।

पूर्वी भारत में झारखंड और दक्षिण के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 26 और 27 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने आम जनता को सलाह दी है कि जब तक तापमान में गिरावट नहीं आती, तब तक दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें और मौसम की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें।

क्या महाराष्ट्र में भी ठाकरे गुट के अंदर ऑपरेशन लोटस की हलचल

-आप के अंदर हुई बगावत के बाद सियासी चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल तेज होती दिख रही है, और सवाल उठ रहे हैं कि क्या उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) का भी वहीं हाल होने वाला है, जैसा हाल हाल के समय में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ हुआ है। आप में कई बड़े नेताओं, खासकर राज्यसभा सांसदों के अलग होने की खबरों के बाद अब वैसी ही अटकलें शिवसेना (यूबीटी) को लेकर लग रही हैं।

दरअसल, करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई थी, जिससे उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद भी गंवाना पड़ा। अब फिर उनके गुट से असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। हाल ही में पार्टी के कुछ सांसदों की गतिविधियों ने इन अटकलों को और हवा दे दी है।

विशेष रूप से संजय जाधव की गैरमौजूदगी ने पार्टी के भीतर सवाल खड़े कर दिए। वे न 'मातोश्री' में हुई महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे और न ही 'सेना भवन' में आयोजित बैठक में शामिल हुए। जाधव मराठवाड़ा क्षेत्र में पार्टी का कदवार चेहरा माने जाते हैं, इसके बाद उनकी अनुपस्थिति को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे ने जाधव की गैरमाजूदगी को पारिवारिक कारण बताकर स्थिति को सामान्य बताने की कोशिश की है। लेकिन यह उद्धव ठाकरे गुट के लिए अकेला मामला नहीं है। पिछले कुछ महीनों में शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों के बीच असंतोष की खबरें आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कामकाज और नेतृत्व से संवाद की कमी को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। अरविंद सावंत और अनिल देसाई जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर कई सांसद अन्य राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

इस बीच, कुछ नेताओं की दूसरी पार्टियों के नेताओं से मुलाकातों ने भी शक को बढ़ाया है। जैसे नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय देशमुख ने केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जबकि संजय जाधव की अमित शाह से मुलाकात की खबरें भी सामने आईं। हालांकि इन मुलाकातों को 'शिष्टाचार' बताया गया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इन्हें संभावित रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

फिलहाल, कोई ठोस सबूत नहीं है कि शिवसेना (यूबीटी) में तुरंत कोई बड़ी टूट होने वाली है। लेकिन जिस तरह की गतिविधियां सामने आ रही हैं, उससे यह जरूर साफ है कि पार्टी के अंदर सब कुछ पूरी तरह स्थिर नहीं है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह केवल अटकलें हैं या वास्तव में महाराष्ट्र की राजनीति एक और बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है।

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई सेंध

-प्रतिस्पर्धा तेज, जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए बोली लगाना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होर्मुज में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। कल तक जो भारत और चीन सऊदी अरब और इराक से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए दोनों देशों ने अभी से ही बोली लगानी शुरू कर दी है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो चीन होर्मुज के रास्ते रोजाना करीब 44.5 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो अप्रैल में घटकर मात्र 2.2 लाख बैरल रह गया। वहीं, भारत के लिए भी यह आंकड़ा 28 लाख बैरल से लुढ़ककर 2.4 लाख बैरल पर आ गया है, जो एक बड़ी गिरावट है। तेल भंडार के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। चीन के पास करीब तीन से चार महीने का तेल भंडार है, जबकि भारत के पास केवल 30 दिनों का बफर स्टॉक है। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग कम नहीं हुई है। इसका सीधा मतलब है कि भारत को किसी भी कीमत पर तेल चाहिए, जो उसकी मोलभाव करने की क्षमता को कमजोर करता है।

रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में साफ किया कि भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और रूस इस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने अमेरिकी पाबंदियों को 'अवैध दबाव' करार दिया। अब हकीकत यह है कि भारत के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के अलावा कोई ठोस विकल्प नहीं है, खासकर जब वैश्विक बाजार में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बाधित हो रही है। इस बीच चीन ने भारत की एक और प्रमुख तेल आपूर्ति स्रोत सऊदी अरब में भी सेंध लगा दी है। युद्ध से पहले भारत सऊदी अरब से अपना तेल आयात बढ़ा रहा था, लेकिन अब वहां भी चीन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सऊदी अरब ने चीन की रिफाइनरियों में मोटा पैसा लगा रखा है। अप्रैल में सऊदी अरब ने चीन को 13.5 लाख बैरल तेल भेजा है, जो यह दर्शाता है कि चीन न केवल रूसी तेल के लिए भारत से मुकाबला कर रहा है, बल्कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर भी अपनी पकड़ बना रहा है, जिससे भारत के लिए चुनौती खड़ी गई है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
27 अप्रैल 2026

निर्यात प्रोत्साहन व पश्चिम एशिया संकट पर गोयल की अहम बैठक 27 को

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 अप्रैल को दिल्ली के भारत मंडपम में निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों संग एक अहम बैठक करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य देश के निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार करना है, खासकर पश्चिमी एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और शिपिंग चुनौतियों के मद्देनजर, जिसने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बैठक भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हो रही है, जिसके लिए न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले पहले से ही भारत में हैं। सोमवार की चर्चा में चमड़ा, दवा, वाहन, खेल के सामान और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारतीय निर्यातकों के लिए कठिनाइयां बढ़ा दी हैं, क्योंकि शिपिंग कंपनियां प्रमुख गंतव्य वाले इस क्षेत्र में माल भेजने से कतरा रही हैं, जिससे भारतीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

अदाणी ग्रीन का बैटरी स्टोरेज में 15,000 करोड़ का मेगा निवेश

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता को 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक बढ़ाने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का भारी निवेश करने जा रही है। यह भारत में भरोसेमंद और वितरित स्वच्छ बिजली की ओर एक बड़ा बदलाव है। यह निवेश एजीईएल की मौजूदा लगभग 3 जीडब्ल्यूएच स्थापित क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करेगी। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 जीडब्ल्यूएच अक्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के साथ विकसित की जा रही हैं। इनका प्राथमिक लक्ष्य शाम की चरम मांग के दौरान बिजली की विश्वसनीय आपूर्ति प्रदान करना है, जब सौर ऊर्जा उत्पादन कम होता है। कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 जीडब्ल्यूएच से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद कर रही है।

भारत की अर्थव्यवस्था पर विशेषज्ञों ने दी मंदी की चेतावनी

मुंबई ।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कई गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, बढ़ती महंगाई और बाजार में कमजोर होती मांग का असर देश की विकास दर पर पड़ना शुरू हो गया है। खासतौर पर निर्यात क्षेत्र में गिरावट और विदेशी निवेश में कमी को लेकर जो चिंता आर्थिक विशेषज्ञ जाता रहे हैं। उसका बड़ा असर शेयर बाजार और बैंकिंग सेक्टर में भी पडना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर पर होने से भारत की आर्थिक मुश्किलें बहुत तेजी के साथ बढ़ने वाली हैं। जो बाजार के लिए एक बड़ा खतरा बताया गया है। समय रहते भारत सरकार के वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक ने नीतिगत बदलाव के कदम नहीं उठाए गए, तो रोजगार और महंगाई को लेकर बड़ा असर पड़ना तय है। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बेहद कमजोर हो सकती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और कृषि क्षेत्र की चुनौतियां जो निरंतर बढ़ रही हैं वह आर्थिक स्थिति को बुरी तरह से प्रभावित करने लगी हैं। सरकार वर्तमान स्थिति को छुपाने का प्रयास कर रही है। जिसके कारण आर्थिक स्थिति में भविष्य में विस्फोटक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों ने सरकार को सलाह दी है। वह निवेश को बढ़ावा देने, महंगाई पर नियंत्रण रखने और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए। कुल मिलाकर, सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को स्थिर दिखा रही है। पिछले महीना में जिस तरह से केंद्रीय राजस्व में कमी देखने को मिल रही है। भारत को आयात में विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च करना पड़ रही है डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट बढ़ रही है। इससे भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर आर्थिक विशेषज्ञ चिंता जाता रहे हैं यदि यही स्थिति कुछ महीने और बनी रही तो राज्यों और केंद्र सरकार को खर्चों में कटौती करनी पड़ेगी पेंशन और वेतन का भुगतान करने के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर में जिस तरह से पड रहा है। उसने आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता को और बढ़ा दिया है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ घटा

टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक नुकसान में रही

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की सबसे बड़ी मार देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात पर पड़ी, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक कम हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि कुछ चुनिंदा कंपनियों ने इस दौरान बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आए तेज गिरावट के रुख के कारण निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक कमी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में देखी गई, जिसका मूल्य 66,699.44 करोड़ रुपए घटकर 8,67,364.12 करोड़ रह गया। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 50,670.34 करोड़ रुपए कम होकर 17,96,647.50 करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी बैंक को 23,090.05 करोड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 19,670.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बाजार के विशेषज्ञों ने इस गिरावट का कारण भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों को बताया। उन्होंने कहा कि लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद बाजार में सुधार की अपेक्षा थी, लेकिन इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाला। हालांकि, इस नकारात्मक रुझान के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक ने शानदार प्रदर्शन किया। एचयूएल का बाजार पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ हो गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 19,522.76 करोड़ बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ पर पहुंच गया।

इस सप्ताह की गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शीर्ष 10 में शामिल हैं।

2030 तक फ्लिक्सबस का सबसे बड़ा बाजार बनेगा भारत कंपनी को उम्मीद

भारतीय बाजार में उतरी कंपनी गर्मियों में नेटवर्क का करेगी 30 फीसदी विस्तार

नई दिल्ली । वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी फ्लिक्सबस को उम्मीद है कि 2030 तक यात्री संख्या के मामले में भारत उसका सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। कंपनी के एक मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने भारतीय बाजार की विशाल क्षमता और लगातार बढ़ती मांग पर जोर दिया है। फ्लिक्सबस ने फरवरी में भारतीय बाजार में अंतरराज्यीय बस सेवाओं के साथ प्रवेश किया। अ धिकारी ने भारत को वैश्विक स्तर पर फ्लिक्सबस के लिए सबसे रणनीतिक वृद्धि बाजारों में से एक बताया। कंपनी दिल्ली-देहरादून गलियारे पर परिचालन बढ़ाने के साथ-साथ गर्मियों में अपने नेटवर्क में 30 प्रतिशत विस्तार का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बस बाजार है और यहां वातानुकूलित इंटरसिटी खंड यूरोपीय और अमेरिकी बाजार के संयुक्त आकार से भी बड़ा है। वैश्विक स्तर पर करोड़ों यात्रियों को सेवा दे चुकी फ्लिक्सबस भारत में भी मजबूत और निरंतर मांग देख रही है, जो उसकी भविष्य की योजनाओं के लिए आशाजनक है।

कोल इंडिया की कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती की योजना

- ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा बचत मुख्य लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने देश के कोयला आयात में भारी कटौती करने के लिए एक महत्वाकांक्षी 10-वर्षीय व्यापक योजना (2026-2036) का मसौदा तैयार किया है। इस योजना का लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और लॉजिस्टिक्स लागतों को समानता प्रदान कर 24.3 करोड़ टन कोयला आयात में कटौती करना है, जिससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। सूत्रों के अनुसार, सीआईएल की यह व्यापक योजना आयात के विस्तृत फोरेंसिक ऑडिट को शामिल करेगी। इसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। योजना में कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नेशनल वॉशरी एंड लॉजिस्टिक्स ग्रिड की स्थापना भी प्रस्तावित है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाएं दूर होंगी। घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाली सीआईएल इस मसौदे को अंतिम रूप देने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है। इसका अंतिम उद्देश्य घरेलू उत्पादन, गुणवत्ता संवर्धन और लॉजिस्टिक मूल्य समानता के माध्यम से सभी प्रतिस्थापन योग्य कोयला आयात को पूरी तरह रोकना है। यह घटनाक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करने और राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन के तहत हरित संक्रमण लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और फेड की बैठक से तय होगी भारतीय बाजार की दिशा

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में देखी गई गिरावट के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए वैश्विक घटनाक्रमों और घरेलू कॉरपोरेट नतीजों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव, रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक दुनियाभर के बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार की दिशा भी तय करेगी। बाजार में एक बार फिर वैश्विक कारकों का प्रभाव देखने को मिलेगा, जिससे निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज होने के बाद अब निवेशकों की नजरें पूरी तरह से वैश्विक घटनाक्रमों पर केंद्रित हो गई हैं। भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख केंद्रीय बैंकों की नीतियों से जुड़े संकेत बाजार की आगामी चाल को निर्धारित करेंगे। निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में कोई ठोस प्रगति न होना है। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध पर भी बाजार पैनी नजर रख रहा है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक कच्चे तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका बंद रहना या वहां तनाव बढ़ना वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता ला सकता है, जिसका सीधा असर भारत जैसे तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था और कंपनियों पर पड़ेगा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा सकती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। 28 और 29 अप्रैल को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का बाजार बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हालांकि, पिछली लगातार दो बैठकों की तरह इस बार भी ब्याज दरों को 0-0.25 फीसदी की रेंज में स्थिर रखने की उम्मीद है, लेकिन फेड के चेयरमैन की टिप्पणियां और भविष्य की मौद्रिक नीति पर उनके संकेत निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इससे यह अंदाजा लगेगा कि ब्याज दरें कब तक स्थिर रहेंगी या उनमें बदलाव की उम्मीद कब तक की जा सकती है, जिसका वैश्विक पूंजी प्रवाह पर सीधा असर पड़ेगा। घरेलू मोर्चे पर, चौथी तिमाही के परिणाम सीजन के जोर पकड़ने के साथ, निवेशकों की नजर कंपनियों के प्रदर्शन पर रहेगी। अच्छे नतीजे बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि निराशाजनक आंकड़े दबाव बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी नजर रहेगी। पिछले सत्रों में मुनाफावसूली करने वाले विदेशी निवेशकों का रुख (बिकवाली या खरीदारी) अगले सप्ताह बाजार की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करेगा। उनकी लगातार बिकवाली बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 24,100-24,400 के दायरे में समेकन देखने को मिल सकता है। 24,000 के स्तर पर तत्काल समर्थन मौजूद है, जो बाजार को बड़ी गिरावट से बचा सकता है। वहीं 24,400 से ऊपर टिकने पर निफ्टी 24,800-25,000 के स्तर तक की तेजी दिखा सकता है, लेकिन इसके लिए सकारात्मक वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू नतीजों की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर आने वाला सप्ताह सतर्कता भरा रहने की उम्मीद है, जहां वैश्विक कारक और कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करेंगे।

रिलायंस ने भू-राजनीतिक अस्थिरता में भी परिचालन जारी रखा

चौथी तिमाही में कंपनी ने बदले आपूर्तिकर्ता और अनुबंध, खाड़ी संकट से निपटा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी निजी रिफाइनरी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवधानों और ऊर्जा बाजार की अस्थिरता के बीच कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाए। कंपनी ने अस्थिर बाजार और ईरान युद्ध जैसे तनावों के बावजूद अपने परिचालन को सुचारू बनाए रखा। रिलायंस ने बताया कि अस्थिर ऊर्जा बाजार, भू-राजनीतिक व्यवधानों और लागत में भारी उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उसने कच्चे तेल की सक्रिय सोर्सिंग और परिचालन बदलावों का सहारा लिया। ईरान युद्ध के कारण खाड़ी देशों से तेल और गैस प्रवाह बाधित होने पर, कंपनी ने आपूर्ति की भरपाई के लिए फारस की खाड़ी के अलावा दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क किया। रिफाइनरी परिचालन में कटौती से बचने के लिए, रिलायंस ने फारस की खाड़ी के लोडिंग अनुबंधों को बदला और कई भौगोलिक क्षेत्रों से कच्चे तेल की सोर्सिंग की। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर फंसे हुए कच्चे तेल के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी काम किया। वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक कच्चा तेल बाजार काफी हद तक अधिशेष में रहा, लेकिन

रूसी तेल पर प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया के संघर्ष ने आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा बाजारों में अव्यवस्था पैदा की।

इन चुनौतियों के बावजूद, रिलायंस ने कच्चे माल की उपलब्धता सुरक्षित करके और परिचालन बनाए रखकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ किया। रिफाइनिंग क्षमता की कमी और अप्रत्याशित मांग वृद्धि से ईंधन के मुनाफे में उछाल आया, हालांकि रसायनों पर अत्यधिक आपूर्ति का दबाव बना रहा।

1 मई से बदल सकते हैं नियम, 25 दिन बाद ही मिलेगा दूसरा एलपीजी

हॉरमुज स्ट्रेट तनाव के बीच देश की तेल कंपनियां एलपीजी उपलब्धता को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और हॉरमुज स्ट्रेट में एलपीजी सप्लाई बाधित होने की आशंका के मद्देनजर भारत रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कमर कस रहा है। इसी तैयारी के तहत इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस जैसी प्रमुख तेल कंपनियां 1 मई 2026 से सिलेंडर बुकिंग नियमों में अहम बदलाव करने जा रही हैं। नए नियमों के तहत उपभोक्ता एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरे की बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिनों का इंतजार करेंगे। यह उन परिवारों को प्रभावित करेगा जो महीने में एक से अधिक सिलेंडर लेते हैं। साथ ही अब ओटीपी आधारित डिलीवरी सिस्टम भी लागू होगा। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजा गया ओटीपी बताए बिना सिलेंडर नहीं मिलेगा, जिससे फर्जी डिलीवरी रुकेगी। भारत को प्रतिदिन 80,000 टन एलपीजी की जरूरत होती है, जबकि घरेलू उत्पादन 46,000 टन है। शेष आवश्यकता आयात से पूरी होती है। पहले 90 फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती थी, लेकिन अब सरकार ने अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी खरीद शुरू कर आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाई है। युद्ध संकट को देखते हुए भारत ने स्पॉट मार्केट से लाखों टन एलपीजी खरीदी है, ताकि आपूर्ति में कमी न हो।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा बढ़कर 300 करोड़ के पार

बैंक की ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई

मुंबई ।

प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जिसमें बैंक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 4.9 फीसदी बढ़कर 319 करोड़ हो गया। बैंक ने यह भी बताया कि कुछ विशिष्ट (एकमुश्त) घटनाओं को छोड़कर, उसकी वास्तविक या सामान्यीकृत शुद्ध आय 746 करोड़ के करीब रही, जो बैंक की मजबूत अंतर्निहित वित्तीय स्थिति को दर्शाती है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लिए चौथी तिमाही का मुख्य आकर्षण उसकी मजबूत परिचालन आय और बेहतर संपत्ति गुणवत्ता रही। बैंक की शुद्ध ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 4,907 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,677 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि बैंक ने कर्ज देने और उससे ब्याज कमाने में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, नेट इंटरेस्ट मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 5.95 फीसदी से 5.93 फीसदी रहा, जिसे लगभग स्थिर माना जा सकता है। बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सराहनीय सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.69 फीसदी से घटकर 1.61 फीसदी रह गईं, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां 0.53 फीसदी से कम होकर 0.48 फीसदी पर आ गईं। फंसे कर्ज में कमी और भविष्य के घाटे के लिए किए जाने वाले प्रावधान में भारी कटौती ने भी बैंक के मुनाफे को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इसके

अतिरिक्त, बैंक को 130 करोड़ का टैक्स रिफंड भी मिला, जिसने बैंक की बैलेंस शीट को और मजबूती प्रदान की। यह तिमाही बैंक के लिए व्यापक तौर पर सकारात्मक संकेत लेकर आई है।

सीओएआई ने सरकार से स्पेक्ट्रम कीमतें घटाने की अपील की

ऑपरेटरों ने 5जी में भारी पूंजी लगाई लेकिन अभी तक कोई आय नहीं

नई दिल्ली ।

अगली स्पेक्ट्रम नीलामी से पहले दूरसंचार उद्योग निकाय सीओएआई ने केंद्र सरकार से स्पेक्ट्रम की बोली कीमतों में कटौती करने का अनुरोध किया है। उद्योग का तर्क है कि 5जी नेटवर्क में किए गए भारी निवेश पर अभी तक कोई प्रतिफल (आरओआई) नहीं मिला है, जिससे वर्तमान मूल्य स्तर पर आगे निवेश करना कठिन है। सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के एक प्रमुख अ धिकारी ने हाल ही में आयोजित सीओएआई डिजीकॉम शिखर सम्मेलन के मौके पर यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि उद्योग को उम्मीद है कि सरकार 5जी में परिचालकों द्वारा किए गए विशाल निवेश पर गंभीरता से विचार करेगी, जिस पर अभी तक कोई वापसी नहीं हुई है। उन्होंने जोर दिया, मुझे उम्मीद है कि स्पेक्ट्रम की कीमतें कम होंगी क्योंकि 5जी में बिना किसी आरओआई के बहुत अधिक पूंजी लगाई गई है। जब तक हमें प्रतिफल मिलना शुरू नहीं होता, तब तक बहुत महंगे स्पेक्ट्रम में निवेश को व्यवसाय की दृष्टि से लागत प्रभावी मानना कठिन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्पेक्ट्रम केवल नीलामी से खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे उपयोग के योग्य बनाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होती है। इस पृष्ठभूमि में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने फरवरी में 600 मेगाहर्ट्ज से 26 गीगाहर्ट्ज तक विभिन्न बैंडों में उपलब्ध पूरे 11,790 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को नीलामी के लिए रखने की सिफारिश की थी। सरकार 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम की नीलामी पर विशेष रूप से विचार कर रही है, जो इमारतों के भीतर मोबाइल नेटवर्क कवरेज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत की चीन व्यापार रणनीति-निर्यात बढ़ाओ आयात घटाओ; घरेलू क्षमता पर जोर

बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद कठिन, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं

नई दिल्ली ।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार भारत चीन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को एक बहुआयामी रणनीति के तहत नया आयाम दे रहा है।

इसका लक्ष्य घरेलू क्षमताओं को मजबूत कर चीन को निर्यात बढ़ाना और साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाकर बीजिंग पर आयात निर्भरता कम करना है।

यह रणनीति चीन से पूरी तरह से संबंध विच्छेद किए बिना लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद करना कठिन है, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। भारत मुख्य रूप से ऑटो घटक, इलेक्ट्रॉनिक हिस्से, मोबाइल फोन के पुर्जे, मशीनरी और सक्रिय दवा सामग्री जैसे कच्चे माल, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुओं का आयात करता है, जो घरेलू विनिर्माण और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण हैं। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, भारत का चीन को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 14.25 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 19.47 अरब डॉलर हो गया है, जो लगभग 37 प्रतिशत की संतोषजनक वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, इसी अवधि में बीजिंग से आयात 113.44 अरब डॉलर से बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 112.6 अरब डॉलर हो गया है।

निर्यात में मुद्रित सर्किट बोर्ड, बिजली के उपकरण और झींगा जैसी वस्तुओं का योगदान रहा है, लेकिन अधिकारी ने इसे और व्यापक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। चीन से आने वाले आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, फार्मास्युटिकल सामग्री, वाहन घटक और औद्योगिक मशीनरी प्रमुख हैं। अधिकारी ने बताया कि ये सभी वस्तुएं भारत की औद्योगिक प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं और जैसे-जैसे देश का औद्योगीकरण बढ़ रहा है, ऐसे आयातों में स्वाभाविक वृद्धि देखी जा रही है।

की रणनीति घरेलू क्षमताओं को सुदृढ़ कर इन आयातों पर निर्भरता कम करने और अपने आपूर्तिकर्ता आधार को विविधतापूर्ण बनाने पर केंद्रित है, ताकि व्यापार संतुलन को बेहतर बनाया जा सके।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की चेतावनी वैश्विक शेयर बाजार में भारी गिरावट की चेतावनी

लंदन ।

बैंकिंग और वित्तीय विश्लेषण से जुड़े आर्थिक विशेषज्ञों की रिपोर्ट मे यह चेतावनी दी गई है। शेयर बाजार में तेज गिरावट (मार्केट क्रैश) की आशंका बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर, जिसमें बैंक ऑफ इंग्लैंड और दुनिया भर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी शामिल हैं, बढ़ती वैश्विक और घरेलू आर्थिक अनिश्चितताओं से शेयर मार्केट और बैंकिंग सेक्टर बड़े रूप में प्रभावित हो सकते हैं।

विश्लेषण में बताया गया है, बढ़ती महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी परिस्थितियां निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर रही हैं। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड की अध्यक्ष ने शेयर बाजार क्रैश होने की आशंका व्यक्त की है। निवेशक लगातार शेयर मार्केट से पैसा निकाल रहे हैं। जिससे बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा, बाजार में पहले से ऊंचे वैल्यूएशन को भी जोखिम भरा माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संकेत मिलना शुरू हो गए हैं।

मौजूदा स्तर टिकाऊ नहीं हैं, आने वाले समय में बाजार में करेक्शन संभव है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक संकट गहराता है या ब्याज

दरें ऊंची बनी रहती हैं। ऐसी स्थिति में बैंकिंग और मिडकैप शेयरों में भारी गिरावट देखी जा सकती है।

आर्थिक विशेषज्ञों ने निवेशकों को सतर्क रहने, दीर्घकालिक रणनीति अपनाने और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देने की सलाह दी है। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड अध्यक्ष की चेतावनी के बाद एक विशेष किस्म की घबराहट सारी दुनिया में देखी जा रही है।

रायगढ़ जिले के कोल्हापुर में महड़ गांव में है अष्टविनायक तीर्थ का चौथा मंदिर वरदविनायक श्री गणेश मंदिर जहां सालों से एक दीप लगातार जल रहा है। अष्ट विनायक में चौथे गणेश हैं श्री वरदविनायक। यह मंदिर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कोल्हापुर क्षेत्र में एक सुन्दर पर्वतीय गांव है महड़। इसी गांव में श्री वरदविनायक मंदिर स्थित है। यहां प्रचलित मान्यता के अनुसार वरदविनायक भक्तों की सभी कामनों को पूरा होने का वरदान प्रदान करते हैं। इस मंदिर में नंददीप नाम का एक दीपक है जो 1892 से लगातार प्रज्जवलित है। वरदविनायक का नाम लेने मात्र से ही सारी कामनाओं को पूरा होने का वरदान प्राप्त होता है। इस मंदिर में माघी चतुर्थी पर विशेष पूजा होती है। इसके अतिरिक्त भाद्रपद की गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक भी विशेष उत्सव होता है जिसे देखने भक्तों का हुजूम उमड़ता है।

अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर में लगातार जल रहा एक दीपक

मंदिर से जुड़ी कहानी

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में एक संतानहीन राजा था। अपने दुख के निवारण के लिए वो ऋषि विश्वामित्र की शरण में गया और सलाह मांगी। ऋषि ने उसे श्री गणेश के एकाक्षरी मंत्र का जाप करने के लिए कहा। राजा ने ऐसा ही किया और भक्ति भाव गजानन की पूजा करते हुए उनके मंत्र का जाप किया। मंत्र के प्रभाव और गणपति के आर्शिवाद से उसका रुक्मांगद नाम का सुंदर पुत्र हुआ जो अत्यंत धर्मनिष्ठ भी था। युवा होने पर एक बार शिकार के दौरान जंगल में घूमते हुए रुक्मांगद, ऋषि वाचक्नवी के आश्रम में पहुंचा। यहां ऋषि की पत्नी मुकुंदा राजकुमार के पुरुषोचित सौंदर्य को देख कर उस पर मोहित हो गई और उससे प्रणय याचना की। धर्म के मार्ग पर चलने वाले रुक्मांगद ने इसे अस्वीकार कर दिया और तुरंत आश्रम से चला गया। दूसरी ओर ऋषि पत्नी उसके प्रेम में पागल जैसी हो गई। उसकी अवस्था के बारे में जान कर देवराज इंद्र ने इसका लाभ उठाने के लिए रुक्मांगद का भेष धारण कर मुकुंदा से प्रेम संबंध बनाये, जिससे वो गर्भवती हो गई। कुछ समय बाद उसने ग्रिसमाद नामक पुत्र को जन्म दिया। युवा होने पर अपने जन्म की कहानी जान कर इस पुत्र ने मुकुंदा को श्राप दिया कि वो कांटेदार जंगली बेर की झाड़ी बन जाये। इस पर मुकुंदा ने भी अपने बेटे को श्राप दिया कि वो एक क्रूर राक्षस का पिता बनेगा। उसी समय एक आकाशवाणी से पता चला कि मुंकुदा की संतान का पिता वास्तव में इंद्र है। दोनों माता और पुत्र अत्यंत लज्जित हुए और मुकुंदा एक कांटेदार झाड़ी में बदल गई जबकि उसका पुत्र पुष्पक वन में जाकर श्री गणेश की तपस्या करने लगा। बाद में प्रसन्न हो गणेश जी ने उसे त्रिलोकविजयी संतान का पिता बनने और एक वर मांगने का आर्शिवाद दिया। तब ग्रिसमाद ने कहा कि वे स्वयं यहां विराजमान हों और प्रत्येक भक्त की मनोकामना पूर्ण करें। इसके बाद उसने भद्रका नाम से प्रसिद्ध स्थान पर मंदिर का निर्माण किया और श्री गणेश यहां वरदविनायक के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

मंदिर का स्थापत्य

वर्तमान वरदविनायक मंदिर के बारे में कहा जाता है की इसका निर्माण 1725 में सूबेदार रामजी महादेव बिवलकर ने करवाया था। मंदिर का परिसर सुंदर तालाब के एक किनारे बना हुआ है। ये पूर्व मुखी अष्टविनायक मंदिर पूरे महाराष्ट्र में काफी प्रसिद्ध है। यहां गणपति के साथ उनकी पत्नियों रिद्धि और सिद्धि की मूर्तियां भी स्थापित हैं। मंदिर के चारों तरफ चार हाथियों की प्रतिमायें बनाई गई हैं। मंदिर के ऊपर 25 फीट ऊंचा स्वर्ण शिखर निर्मित है। इसके नदी तट के उत्तरी भाग पर गौमुख है। मंदिर के पश्चिम में एक पवित्र तालाब बना है। मंदिर में एक मुषिका, नवग्रहों के देवताओं की मूर्तियां और एक शिवलिंग भी स्थापित है। अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर के गर्भगृह में भी श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति है।

भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं भगवान श्रीनाथजी

नाथद्वार में स्थित भगवान श्रीनाथजी का चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर कई चमत्कारी कहानियों के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि श्रीनाथजी खुद भगवान विष्णु के अवतार हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण सात साल के थे, तब वह यहां पर विराजमान हो गए थे। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रीकृष्ण की काले रंग की मूर्ति को एक पत्थर से तराशा गया है। वहीं यह अपने आप में हैरान कर देने वाली चीज है। यहां भगवान भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने साथ चावल लेकर जाते हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु इन चावलों को अपनी तिजोरी में रखते हैं, जिससे कि घर में धन कमी न हो।

उस समय श्रीनाथजी की मूर्ति जोधपुर के पास चौपासनी गांव में थी। चौपासनी गांव में कई समय तक बैलगाड़ी में श्रीनाथजी की मूर्ति की पूजा होती रही। हालांकि अब यह गांव

जोधपुर का हिस्सा बन गया है। वहीं जिस जगह ये बैलगाड़ी खड़ी थी, वहां पर श्रीनाथजी का मंदिर बना है। कोटा से करीब 10 किमी दूर श्रीनाथजी की चरण पादुकाएं उसी दौरान आज तक वहीं रखी हुई है। इस स्थान को चरण चौकी के नाम से जानते हैं।

मंदिर से जुड़े नियमों के मुताबिक सर्दियों में प्रभु श्रीनाथजी को उठाकर भोग लगाया जाता है। वहीं रात में प्रभु को सुलाने के लिए कवियों के पदों का गान किया जाता है। श्रीनाथजी के शयनानन्तर तक बीन भी बजाई जाती है। वहीं गर्मी में उनके लिए पंखे की सेवा की जाती है। वहीं सर्दियों में उनको ठंड से बचाने के लिए श्रीनाथजी की मूर्ति के पास अंगीठी रखी जाती है।

सावधान ! कहीं आपका झाड़ू-पोछा ही तो नहीं बन रहा गरीबी का कारण?

वास्तु शास्त्र में घर की हर छोटी-बड़ी वस्तु का संबंध ऊर्जा से होता है। झाड़ू और पोछा, जिन्हें हम सफाई का साधन मात्र समझते हैं, वास्तव में वे माता लक्ष्मी का प्रतीक माने गए हैं। यदि इन्हें गलत समय या गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह घर की सुख-समृद्धि को छीनकर दरिद्रता ला सकते हैं। तो आइए जानते हैं झाड़ू-पोछे से जुड़े वो वास्तु नियम, जिन्हें नजरअंदाज करना आपको भारी पड़ सकता है।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाना

वास्तु के अनुसार, सूर्यास्त के बाद या शाम के समय झाड़ू लगाना 'लक्ष्मी को घर से बाहर निकालने' के समान है।

कारण : माना जाता है कि शाम का समय माता लक्ष्मी के आगमन का होता है। उस समय घर से गंदगी बाहर निकालने के चक्कर में हम घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी बाहर कर देते हैं।

उपाय : यदि मजबूरी में झाड़ू लगानी भी पड़े, तो कूड़ा घर के

बाहर न फेंकें, उसे एक कोने में इकट्ठा कर दें और सुबह बाहर निकालें।

झाड़ू को रखने का सही तरीका और दिशा

जैसे हम अपने धन या कीमती गहनों को छिपाकर रखते हैं, वैसे ही झाड़ू को भी छिपाकर रखना चाहिए।

छिपाकर रखें : झाड़ू पर किसी बाहरी व्यक्ति या मेहमान की नजर नहीं पड़नी चाहिए। इससे घर की बरकत कम होती है।

लेटाकर रखें : झाड़ू को कभी भी खड़ा करके नहीं रखना चाहिए। खड़ी झाड़ू घर में 'कलह' और 'तनाव' का कारण बनती है। इसे हमेशा लेटाकर रखें।

सही दिशा : झाड़ू रखने के लिए घर का दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम कोना सबसे शुभ माना जाता है। इसे कभी भी उत्तर-पूर्व में न रखें।

पोछा लगाने के गुप्त नियम

पोछा केवल फर्श साफ नहीं करता, बल्कि घर की नकारात्मकता को भी सोखता है।

नमक का उपाय : हफ्ते में कम से कम एक बार पोछे के पानी में सेंधा नमक जरूर मिलाएं। नमक नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने में जादुई काम करता है।

गुरुवार को पोछा न लगाएं : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरुवार को पोछा लगाने से घर के 'ईशान कोण' और गुरु ग्रह पर बुरा असर पड़ता है, जिससे धन हानि हो सकती है।

टूटी हुई झाड़ू का उपयोग न करें

अक्सर लोग झाड़ू के टूटने के बावजूद उसे इस्तेमाल करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र में टूटी हुई झाड़ू दरिद्रता का सीधा संकेत है। यह घर में आर्थिक तंगी और मानसिक अशांति पैदा करती है। जैसे ही झाड़ू खराब हो, उसे तुरंत बदल देना चाहिए।

झाड़ू का अपमान न करें

झाड़ू को पैर मारना, उसे लांघना या उसके ऊपर पैर रखना माता लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। ऐसा करने से घर के मुखिया पर कर्ज बढ़ता है और आय के स्रोत घटने लगते हैं।

रात में सिंक में जूठे बर्तन छोड़ते हैं?

रसोई की ये छोटी सी लापरवाही रोक सकती है पूरे घर की बरकत

क्या आप भी रात में किचन के जूठे बर्तन सिंक में छोड़कर सो जाते हैं? वास्तु कहता है कि यह आदत सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि घर की सुख-समृद्धि पर असर डालती है। रात में गंदे बर्तन छोड़ने से नकारात्मकता और धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, अगर आप रसोई में साफ-सफाई और वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इससे न सिर्फ सुख-शांति आती है, बल्कि आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर रात के समय रसोई के सिंक में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत माना जाता है।

रात में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत

वास्तु शास्त्र के अनुसार रात में किचन को गंदा छोड़ना या सिंक में जूठे बर्तन रखना अच्छा नहीं माना जाता। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मां लक्ष्मी की कृपा कम हो सकती है। इसका असर आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है।

अगर बर्तन धोना संभव न हो तो क्या करें

अगर किसी कारण से रात में बर्तन साफ करना संभव न हो, तो कम से कम उनमें पानी डालकर जरूर रखें। ऐसा करने से नकारात्मक प्रभाव कुछ हद तक कम हो जाता है। हालांकि इसे रोज की आदत बनाना ठीक नहीं माना जाता।

रसोई से जुड़े जरूरी वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में पानी और आग से जुड़ी चीजों को पास-पास नहीं रखना चाहिए। सिंक और गैस चूल्हे के बीच दूरी बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित होती है।

छोटी गलतियां जो बनती हैं बड़ी परेशानी

किचन में चाकू-छुरी जैसी नुकीली चीजों को खुला नहीं रखना चाहिए। इन्हें हमेशा ढककर या ऐसी जगह रखें जहां सीधी नजर न पड़े। साथ ही रसोई में साफ-सफाई और हवा-रोशनी का अच्छा इंतजाम होना चाहिए।

क्या चीजें तुरंत हटानी चाहिए

रसोई में गंदे कपड़े, टूटे बर्तन या खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान रखना अशुभ माना जाता है। ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती हैं और घर की सुख-शांति पर असर डाल सकती हैं।

क्या गलत दिशा में सिर रखकर सोना बन रहा है आपकी थकान की वजह?

गहरी नींद के चमत्कारी वास्तु नियम

आज के बदलते लाइफस्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी में रात को भरपूर नींद लेने के बाद भी सुबह उठकर कई लोग थकान और भारीपन का अनुभव करते हैं। अक्सर हम इसे खराब आदतों अथवा गलत खान-पान का नतीजा मान लेते हैं। वास्तु विद्वानों के अनुसार, सुकून भरी नींद न आना अथवा हर समय थकान अनुभव होते रहने का एक बड़ा कारण आपके सोने की गलत दिशा भी हो सकती है। वास्तु विज्ञान में सोते समय सिरहाने की दिशा का बहुत महत्व है। इससे व्यक्ति के मस्तिष्क और शरीर की ऊर्जा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं कहीं गलत दिशा में सिर रखकर सोना आपकी थकान की वजह तो नहीं बन रहा। वास्तु अनुसार किस दिशा में सिर रखकर सोएं-

दक्षिण दिशा :

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, गहरी नींद और लंबी उम्र का राज दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना है। यह दिशा सबसे अधिक लाभकारी और शुभ मानी गई है। इस दिशा में सोना स्थिरता और शक्ति का प्रतीक है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी देखें तो इस दिशा में सिर रखने से शरीर का चुंबकीय संतुलन पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ सही बैठता है, जिससे रक्त संचार सुचारु रुप से होता है। जिससे गहरी व तनावमुक्त नींद का अनुभव किया जा सकता है।

पूर्व दिशा :

अगर आप मानसिक शांति और एकाग्रता चाहते हैं तो पूर्व दिशा की ओर सिर करके सोना आपके लिए सर्वोत्तम विकल्प है। विद्यार्थियों और विचारकों के लिए तो यह दिशा किसी वरदान से कम नहीं है। शास्त्रों में पूर्व दिशा सकारात्मकता और ज्ञान की दिशा मानी गई है। जिन्हें मानसिक दबाव, डिप्रेशन, एंजाइटी अथवा भूलने की समस्या है, उनके लिए इस दिशा में सोना लाभकारी है। यह डायरेक्शन सोचने-समझने की क्षमता और फोकस को बढ़ावा देती है।

भूलकर भी उत्तर दिशा में न रखें सिर :

वास्तु नियमों के अनुसार, उत्तर दिशा में कभी भी सिर रखकर नहीं सोना चाहिए। किंवदंतियों के अनुसार कहा जाता है कि उत्तर दिशा की ओर सिर करने से शरीर और धरती के चुंबकीय क्षेत्र के मध्य असंतुलन पैदा होता है। जिससे नींद और जागृत अवस्था इंबैलेंस हो जाती है। तभी तो नींद में बार-बार रुकावट, रेस्टलेसनेस, सिर में दर्द और सुबह उठने पर भारीपन जैसी प्रॉब्लम होती हैं।

छोटी आदत, बड़ा बदलाव :

कई बार जीवनशैली में किए गए छोटे-छोटे बदलाव, जीवन में बड़ा परिवर्तन ले आते हैं। उसी तरह सोने की दिशा में भी ऊपर दिया गया यह मामूली बदलाव आपकी लाइफ में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाएगा। जब आप यहां बताए गए वास्तु नियमों का पालन करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको एहसास होगा की आपकी नींद की गुणवत्ता पहले से बेहतर हो गई है। साथ ही मानसिक शांति और शरीर में ऊर्जा का स्तर भी काफी बेहतर हुआ है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंसर्स के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा।।

दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। । कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके।

वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शॉ और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है।

वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छी टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है। उसके पस विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं जिसमें आरसीबी ने 20 जबकि दिल्ली ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आरबीबी का पलड़ा भारी है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

केएल राहुल का ऐतिहासिक शतक: आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेबस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कमिंस भी हैरान हुए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभाव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने भी सराहना की है।

वैभव ने जस प्रकार से इस सत में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबालों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कमिंस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाये। वैभव ने कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कमिंस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे। उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं।

कमिंस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आपको लगातार अच्छी गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप विफल रहे तो बड़ा शॉट लगना तय है। अब वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी बना गया है। वह अपने ही अंदाज में खेलता है।' वैभव अपनी इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी थोड़ी देर के लिए ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। वैभव के अब आठ मैच के बाद 357 रन हैं। वैभव ने सनराइजर्स के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया। जो दूसरा सबसे तेज शतक है। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाया था।

आईपीएल 2026: गुजरात ने सीएसके को 8 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। यह मुकाबला रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और चेन्नई को 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन तक सीमित रखा। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सेमसन ने पारी का आगाज किया, लेकिन संजू सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल 4 रन बनाकर कागिसो रबाडा का शिकार बने, जबकि सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस भी सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। एक छोर पर ऋतुराज गायकवाड़ डटे रहे और उन्होंने शानदार नाबाद 74 रन बनाए, जिसकी बदौलत चेन्नई 158 रन तक पहुंच सकी।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटन्स की शुरुआत दमदार रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज शुरुआत दी। पहला विकेट 7वें ओवर में गिरा जब शुभमन गिल 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह गुजरात की ओर मोड़ दिया। उन्होंने सिर्फ 46 गेंदों में 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली।

साई ने जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी निभाई। हालांकि 17वें ओवर में साई का विकेट गिर गया, लेकिन तब तक वह टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा चुके थे। बटलर ने भी उपयोगी 39 रन बनाए और गुजरात ने 20 गेंद शेष रहते मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही टी20 में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब तक ये रिकार्ड मिचेल ओवन के नाम था। वैभव ने 473 गेंदों का सामना करते हुए अपने 1000 रन पूरे किये जबकि ओवन ने 533 गेंदों में 1000 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से कहीं अधिक रहा है। सबसे अधिक तेजी से 1000 रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स हैं। उन्होंने 558 गेंदों पर 1000 रन बनाये थे। हैदराबाद के खिलाफ खेली गई अपनी ऐतिहासिक पारी में, वैभव ने केवल 36 गेंदों पर ही शतक पूरा किया। वैभव का टी20 करियर अब तक बेहद शानदार रहा है। घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल सहित कुल 26 टी20 मुकाबलों में, उन्होंने 42.32 की प्रभावशाली औसत और 213.73 के स्ट्राइक रेट से अब तक कुल 1058 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार शतक दर्ज हैं। वहीं उनके नाम 94 छक्के भी हैं। साथ जल्द ही 100 छक्कों का आंकड़ा पार करने के करीब हैं। आईपीएल में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है, जहां 15 मैचों में 40.60 की औसत और 222.26 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 609 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

धोनी अपनी वापसी के लिए टीम में बदलाव नहीं चाहते

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट होने के बाद भी अभी टीम संयोजन में बदलाव नहीं चाहते हैं इसलिए वह अभी टीम में वापसी नहीं करना चाहते हैं। शुरुआत में सीएसके प्रबंधन ने कहा था कि धोनी कुछ हफ्तों में वापसी करेंगे। उनकी पिंडली की चोट को लेकर दो हफ्ते का समय दिया गया था पर धोनी अब तक मैदान पर नहीं लौटे हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा था कि धोनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी पिंडली की चोट है, खासकर रन लेते समय उन्हें परेशानी होती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, धोनी पूरी तरह फिट हो गये हैं पर वह अपनी वापसी में देरी कर रहे हैं। धोनी ने टीम प्रबंधन को यह साफ कर दिया है कि केवल उन्हें टीम में शामिल करने के लिए संजोजन न बदला जाए। यह भी साफ है कि सीएसके प्रबंधन पने उन्हें मैदान पर उतारने की कोई जल्दी में नहीं है। मुख्य कोच कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वह उबर रहे हैं और जो भी उनसे कहा जा रहा है, वह सब कर रहे हैं। अभी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और धोनी भी किसी युवा खिलाड़ी की जगह लेने के लिए तैयार नहीं दिखते।

एक ही दिन में तीन-तीन बल्लेबाजों को मिली ऑरेंज कैप

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में हर मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आता रहा है पर शनिवार को एक ही दिन में तीन-तीन दावेदार सामने आ गये। दिन की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 328 रनों के साथ पहले ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर थे पर कुछ ही देर में उनकी जगह पर अन्य दावेदार आ गये। वहीं कोहली पांचवे स्थान पर खिसक गये। इस प्रकार एक ही दिन में कुल तीन अलग-अलग खिलाड़ियों ने ऑरेंज कैप पर अपने नाम की पर अंत में सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा शीर्ष पर आ गये। दिन का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ था। इस मैच के बाद दिल्ली

कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 152 रनों की नाबाद आक्रामक पारी खेलकर पहले नंबर पर पहुंच गये। इस शानदार पारी के बाद राहुल के नाम 7 पारियों में 59.50 की औसत और 187.89 के स्ट्राइक रेट के साथ कुल 357 रन हो गए।

राहुल अधिक देर तक टिके नहीं रह पाये। कुछ ही समय के बाद वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 103 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। कब्जा जमा लिया। उनकी इस पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इससे वैभव सूर्यवंशी कुल 357 रनों पर पहुंच गये और राहुल से बेहतर स्ट्राइक रेट होने के कारण नंबर एक पर पहुंच गये। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंत में ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 29 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्का लगाकर 57 रन बना दिये। इसी के साथ आईपीएल 2026 में उनके नाम सबसे अधिक 380 रन हो गए। वहीं इसी मैच में हेनरिक क्लासेन ने भी 29 रन बनाये और वह 349 रन पहुंचे जिससे कोहली पांचवे नंबर पर खिसक गये।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली । स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फ्रेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था।

चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल सॉल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिससे उनके नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी क्षमता की फिर से पुष्टि हुई है। पंडित ने अय्यर के भारतीय टीम में चयन पर भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। टीम बनाते समय अनुभव और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर खिलाड़ी को मौका देना आसान नहीं होता, क्योंकि कई बार एक ही स्थान के लिए बराबरी के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उपलब्ध होते हैं। हालांकि, पंडित ने अय्यर की वापसी पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, उनकी मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास दिखाता है कि वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह खेल को जीतने के इरादे से खेलते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, बीडब्ल्यूएफने की घोषणा

हॉर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शासी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क के हॉर्सेंस में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में डाले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में निवेश करना जारी रखेंगे।' BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज़्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की भलाई और रिकवरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन ने बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है।

कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतेगा जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो।

मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीतता है जो सबसे पहले 21 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालाँकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम

रैली जीतती है, उसे एक पॉइंट मिलता है- चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फ सर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

एनगिडी अब पहले से बेहतर, जल्द वापसी करेंगे : वेणुगोपाल

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के खिलाफ (आईपीएल) में चोटिल हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी अब ठीक हैं और उनके शीघ्र ही लीग में वापसी करने की संभावना है। एनगिडी को फील्डिंग करते समय सिर में गंभीर चोट लग गई थी। पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्य का कैच पकड़ने के प्रयास में पीछे गिर गए और उनका सिर जमीन से टकरा गया था, जिसके बाद उन्हें तत्कालल एंबुलेंस से मैक्स अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के कारण खेल लगभग 15 मिनट तक रुका रहा। वहीं अब कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने बताया है कि एनगिडी की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अस्पताल में हैं हालांकि उम्मीद है कि वह वह जल्दी ही ठीक होकर लीग में वापस कर सकते हैं। राव ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया। वहीं कन्कशन सब्स्टीट्यूशन को लेकर वेणुगोपाल ने कहा है कि नियमों के अनुसार सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, इसलिए दुश्मंथा चमीरा की जगह विप्रज निगम को लाया गया। पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल साथ ही कई खिलाड़ियों ने एनगिडी के जल्द ठीक होने की कामना करते कहा था कि सिर की चोट कई बार खतरनाक बन जाती है।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है। करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।'
वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।

इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''

उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''
अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़्म है

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।'
सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज़्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज़्म है।'

कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेंटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूं न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रेजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिफ्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने कर्मचारियों को तीन महीने तक विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने आगामी तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय ने मंत्रालयों, आयोगों और सभी संबंधित निकायों को पत्र भेजकर इस व्यवस्था को लागू करने को कहा है। सरकार के गत 28 मार्च के निर्णय के अनुसार स्वीकृत प्रशासनिक सुधार से संबंधित 100 कार्यसूचियों को उच्च प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह निर्देश जारी किया है। निर्देश में कहा गया है कि कर्मचारियों के विदेश दौरे पर जाने से सरकार की 100 कार्यसूचियों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न हो सकती है, इसलिए अगले तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को वैदेशिक भ्रमण के लिए नामांकित न करने का अनुरोध किया गया है।

लुइसियाना मॉल गोलीबारी: पुलिस ने एक शख्स को किया गिरफ्तार, दूसरा फरार

लुइसियाना, एजेंसी। लुइसियाना के अधिकारियों ने एक 17 वर्षीय लड़के पर हत्या का आरोप लगाया है और वे एक अन्य संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। गुरुवार को बैटन रूज के एक मॉल में हुई गोलीबारी में राहगीर भी फंस गए थे, जिसमें एक किशोरी की मौत हो गई थी। शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने राजधानी शहर को त्रस्त करने वाली गिरोह हिंसा पर नकेल कसने का संकल्प लिया। अपराध के प्रति सख्त रुख रखने वाले राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने एफबीआई निदेशक काश पटेल से बात की है और उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए राज्य, स्थानीय और संघीय संसाधनों का उपयोग करने का वादा किया है और कहा है कि इसके परिणाम 'तुरंत महसूस होने लगेंगे।'

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मिले कोलंबियाई नेता

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को काराकास के मिराफ्लोरेस राष्ट्रपति भवन में कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का स्वागत किया। जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को उनके घर से गिरफ्तार किए जाने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। नेताओं से प्रवासन, रक्षा, सीमा सुरक्षा, औद्योगिक सहयोग और व्यापार सहित एक व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा पर चर्चा करने की उम्मीद थी। पेट्रो और रोड्रिगेज की पिछले महीने अपनी साझा सीमा पर मुलाकात होने की उम्मीद थी, लेकिन उनकी संबंधित सरकारों ने अचानक 'अप्रत्याशित घटना' का हवाला देते हुए बैठक रद्द कर दी, जिसका उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया और बस इतना कहा कि यह बाद में होगी। शुक्रवार की बैठक से पहले, पेट्रो ने घोषणा की कि उनका प्रतिनिधिमंडल, जिसमें शीर्ष सैन्य और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, रोड्रिगेज के साथ सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करेगा।

खाड़ी युद्ध के चलते पश्चिम एशिया से अब तक 30 हजार नेपाली नागरिक स्वदेश लौटे

काठमांडू, एजेंसी। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया से 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं।युद्ध के बाद नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इस पोर्टल पर अब तक 87 हजार 819 लोगों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। नियमित पत्रकार सम्मेलन में शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के सहसचिव रामजी खड़का ने बताया कि अब तक करीब 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं। हालांकि, उनका कहना है कि यह नहीं कहा जा सकता कि सभी लोग केवल युद्ध से प्रभावित होकर ही लौटे हैं। उन्होंने कहा कि केवल कतर से ही 21 से 22 हजार नेपाली वापस आए हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में 7 हजार से अधिक लोगों ने पोर्टल पर अपना नाम दर्ज कराया था, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य होने के साथ तत्काल उद्धार की मांग करने वालों की संख्या घट गई। युद्ध के बाद ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। इन देशों में रह रहे 17 लाख से अधिक नेपाली नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल संचालन में लाया था। युद्ध के बाद सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित कुछ देशों के क्षेत्रों में नेपाली श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कुछ कंपनियों ने श्रमिकों को छुट्टी भी दी थी। विदेश मंत्रालय के आकलन के अनुसार फिलहाल होटल, रेस्टोरेंट और सेवा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। युद्ध के बाद पर्यटकों की आवाजाही रुकने से ये क्षेत्र प्रभावित हुए। हालांकि, इन क्षेत्रों में काम कर रहे नेपाली श्रमिकों ने अब तक किसी प्रकार की औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है कि उन्हें काम नहीं मिल रहा है या वे गंभीर समस्या में हैं।

चीन की चुनौतियों के बीच अमेरिकी कमांडर ने कहा-

'इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए भारत अहम'

05
वाशिंगटन, एजेंसी।

भारत, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति में एक अहम स्तंभ के तौर पर उभर रहा है। अमेरिकी सेना के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के साथ बढ़ते रक्षा संबंधों और तालमेल को खास तौर पर रेखांकित किया है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल जॉन पपारो ने इस हफ्ते सांसदों से कहा कि भारत के साथ संबंध उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने इस रिश्ते को लगातार ऊपर की ओर बढ़ता हुआ बताया और इसे अपनी सबसे सक्रिय सैन्य साझेदारियों में से एक कहा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई, जब वाशिंगटन चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय साझेदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। पपारो ने कहा कि 'मेजर डिफेंस पार्टनरशिप' (प्रमुख रक्षा साझेदारी) ढांचे के तहत, अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंधों में लगातार जटिल होते जा रहे सैन्य अभ्यासों, रक्षा सौदों और रणनीतिक बातचीत के जरिए जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उन्होंने समुद्री सुरक्षा और पानी के नीचे की गतिविधियों की जानकारी जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग की ओर इशारा किया। इसमें विदेशी सैन्य बिक्री के जरिए भारत की ओर से एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने की योजना भी शामिल है। पपारो ने भारत को इस क्षेत्र में स्थिरता लाने वाली ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के भीतर स्थिरता का

एक स्रोत बना हुआ है। साथ ही, हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारियों और रक्षा सहयोग को भी मजबूत कर रहा है।

उन्होंने भारत की बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका का भी जिक्र किया। इसमें श्रीलंका में किया गया निवेश और मॉरीशस के साथ किए गए समझौते शामिल हैं, जिनका मकसद समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि रणनीतिक बुनियादी ढांचा विरोधी ताकतों के प्रभाव से मुक्त रहे।

इंडो-पैसिफिक कमांडर ने 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय समूहों में भारत की भागीदारी को भी रेखांकित किया। इस समूह में भारत के साथ-साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। यह समुद्री सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मालाबार जैसे सैन्य अभ्यास, जिनमें ये चारों देश शामिल होते हैं, इस क्षेत्र में आपसी तालमेल बनाने और संयुक्त सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिहाज से बेहद अहम बन गए हैं।'

पपारो ने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति का मूल आधार उसकी साझेदारियां हैं। उन्होंने इन गठबंधनों और साझेदारियों को वाशिंगटन का सबसे बड़ा असंतुलित लाभ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ लगातार तनाव का सामना करना पड़ता है और हाल के सैन्य टकराव पारंपरिक रूप से विवादित क्षेत्रों से आगे तक फैल गए हैं। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि भारत का मुख्य ध्यान इस पूरे क्षेत्र में अपनी निवारक क्षमता और विश्वसनीय युद्धक क्षमता को बनाए रखने पर केंद्रित है।

हालांकि, इंडो-पैसिफिक कमांडर ने चेतावनी दी कि चीन की हरकतें और रूस व उत्तर कोरिया के साथ उसके गहरे होते संबंध, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक जटिल चुनौती पेश करते हैं।

इंडो-पैसिफिक कमांडर के अलावा, अमेरिकी सांसदों ने भी बीजिंग के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ साझेदारी को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। प्रतिनिधि एडम स्मिथ ने कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिरोध और विश्वसनीयता के लिए गठबंधन बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'हमें उन संबंधों को बनाए रखने की जरूरत है। हमें उन लोगों को यह बताने की जरूरत है कि हम उनके साथ हैं और वे हम पर भरोसा कर सकते हैं।'

गौरतलब है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, क्योंकि चीन अपने सैन्य आधुनिकीकरण की गति बढ़ा रहा है और पूरे क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रहा है।

ईरान की हरकतों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट में खतरा बढ़ा : पीट हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर अब भी बड़ा खतरा बना हुआ है, हालांकि सीमित स्तर पर आवाजाही जारी है। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ वॉर पीट हेगसेथ ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते से जहाज अभी भी गुजर रहे हैं, लेकिन हालात पहले से ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। उन्होंने पेंटागन में हुई एक ब्रीफिंग में कहा कि यातायात हो रहा है, लेकिन यह उतना नहीं है जितना लोग चाहते हैं और इसमें पहले से ज्यादा जोखिम है।

हेगसेथ ने कहा कि यह खतरा ईरान की गतिविधियों की वजह से बढ़ा है, जिसमें तेज रफ्तार वाली छोटी नावों का इस्तेमाल और व्यापारिक जहाजों को धमकाना शामिल है। ये सिर्फ कमर्शियल जहाज हैं इन्हें धमकाया जा रहा है। अमेरिका ने संभावित खतरों के खिलाफ सख्त जवाबी कार्रवाई की अनुमति दी है। खासकर अगर समुद्र में नौसैनिक बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं। हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान पानी में माइन्स बिछाता है, तो हम बिना हिचकिचाहट उन्हें नष्ट कर देंगे।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इन खतरों पर नजर रखने और उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी भी माइन्स को हटाने में कितना समय लगेगा।

ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि ईरान पहले भी इस क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हमला कर चुका है। ईरान ने पांच व्यापारी जहाजों पर हमला किया है और उनमें से दो को जब्त भी किया है। पेंटागन ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ईरान से जुड़े बंदरगाहों वाले जहाजों पर सख्त रोक बनाए हुए है, जबकि बाकी जहाजों को नियंत्रित हालात में गुजरने दिया जा रहा है। हेगसेथ ने कहा कि इस कार्रवाई से आगे और हमलों की कोशिशें रुक गई हैं। उन्होंने कहा कि? इससे एक साफ संदेश गया है कि यह कोई दिखावटी नाकाबंदी नहीं है।

नेपाल जा रहे यूएस दूत सर्जियो गोर,

पीएम बालेन से मुलाकात पर सस्पेंस !

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिका की ओर से नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन शाह) से मुलाकात का अनुरोध किया गया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और दक्षिण तथा मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर के नेपाल दौरे के संदर्भ में आया है। लेकिन नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह इस मुलाकात को लेकर अभी पक्का फैसला नहीं ले पाए हैं। कारण? पीएम शाह ने स्पष्ट रूप से एक नया बेंचमार्क तय कर दिया है। वे विदेशी देशों के केवल मंत्री स्तर या उससे ऊपर के अधिकारियों से ही व्यक्तिगत मुलाकात करेंगे। मार्च में शपथ लेने के बाद से पीएम बालेन शाह ने किसी भी विदेशी राजदूत या जूनियर अधिकारी से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं की है, भले ही कई दूतावासों ने अनुरोध किया हो। उनका कहना है कि यह बेंचमार्क विदेश नीति को मजबूत और सम्मानजनक बनाने के लिए है।

नेपाल में प्रभाव जमाने की होड़ : नेपाल में नए राजनीतिक समीकरण बनने के बाद विदेशी ताकतों, विशेषकर अमेरिका और चीन के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की होड़ तेज हो गई है। इसी कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर 30 अप्रैल को काठमांडू के चार दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं।

सर्जियो गोर कौन हैं और उनका दौरा क्यों अहम है? : सर्जियो गोर को डोनाल्ड ट्रंप का बेहद

करीबी माना जाता है। वह वर्तमान में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यरत हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा जनवरी के मध्य में नेपाल से तत्कालीन अमेरिकी राजदूत डीन थॉम्पसन को वापस बुलाए जाने के बाद से, काठमांडू में कोई स्थायी अमेरिकी राजदूत नहीं है। ऐसे में गोर नई दिल्ली से ही नेपाल के मामलों की देखरेख कर रहे हैं।

ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए 'विशेष दूत' भी नियुक्त किया है। इस कारण उनका कूटनीतिक कद अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव (समीर पॉल कपूर) से भी बड़ा हो गया है। इससे पहले वह वाइट हाउस में राष्ट्रपति के सहायक और 'प्रेसिडेंशियल पर्सनेल' के निदेशक रह चुके हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड समय में हजारों राजनीतिक नियुक्तियां की थीं।

अमेरिका और चीन के बीच आमने-सामने की कूटनीति : नेपाल के नए प्रशासन को लुभाने के लिए वाशिंगटन और बीजिंग दोनों सक्रिय हैं। इस दौरे के ठीक पहले कुछ अहम कूटनीतिक घटनाक्रम हुए हैं।

अमेरिका के सहायक सचिव का दौरा : हाल ही में (बुधवार को) दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक सचिव समीर पॉल कपूर ने अपनी तीन दिवसीय नेपाल यात्रा संपन्न की है। उन्होंने नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराई। कपूर को नेपाल सरकार की ओर से आश्वासन मिला है कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए पुराने कानूनों की समीक्षा की जाएगी।

बिना सबूत के आरोप लगाना बंद करे अमेरिका, चीनी प्रवक्ता ने ट्रंप के दावों को बताया अटकलबाजी

बीजिंग, एजेंसी। चीन और अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव एक बार फिर गहरा गया है। शुक्रवार को बीजिंग में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक रोके गए ईरानी जहाज में चीन की ओर से 'उपहार' होने की आशंका जताई थी।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि चीन बिना किसी तथ्यात्मक साक्ष्य के लगाए गए आरोपों और अटकलों को स्वीकार नहीं करेगा और देशों के बीच होने वाले सामान्य व्यापार को बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

ट्रंप और निक्की हेली के दावे

दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका ने एक संदिग्ध सामान वाले जहाज को रोका है और यह शायद चीन की ओर से भेजा गया कोई 'गिफ्ट' हो सकता है। ट्रंप ने इस पर

आश्चर्य जताते हुए कहा कि उनके और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगा था कि दोनों देशों के बीच बेहतर समझ बनी हुई है।

इससे पहले, 21 अप्रैल को साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में पकड़ा गया यह जहाज चीन से ईरान जा रहा था और इसमें मिसाइलों के लिए रासायनिक सामग्री हो सकती थी। उन्होंने इसे चीन द्वारा ईरान सरकार को दिए जा रहे समर्थन की याद दिलाने वाली घटना बताया।

हॉर्मुज स्ट्रेट की संवेदनशीलता

चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने हॉर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को 'जटिल और संवेदनशील' बताते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा जहाज को जबरन रोकना चिंताजनक है। चीन ने सभी पक्षों से जिम्मेदारी दिखाने और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है।

वैश्विक तेल व्यापार पर संकट

हॉर्मुज़ स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एक रणनीतिक मार्ग है, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है, जिसके कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच यहां के हालात पूरी दुनिया के लिए संवेदनशील बने हुए हैं।

यूएस प्रेसिडेंट ट्रम्प का गोल्ड कार्ड वीजा हुआ फ्लॉप: अब तक सिर्फ 1 व्यक्ति ने ही लिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अब तक केवल एक व्यक्ति ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बहुचर्चित 'गोल्ड कार्ड' वीजा हासिल किया है। गोल्ड कार्ड वीजा में कोई विदेशी 10 लाख डॉलर (9 करोड़ रुपए से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है।

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने संसदीय समिति की सुनवाई में यह जानकारी दी। यह आंकड़ा उनकी पहले की उस घोषणा से काफी कम है, जिसमें उन्होंने कहा था कि योजना लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में करीब 10,800 करोड़ रु. के 1300 आवेदन बेचे जा चुके हैं। लुटनिक ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिलहाल सैकड़ों आवेदन प्रक्रिया में हैं।

ट्रम्प ने फरवरी, 2025 में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5

मिलियन डॉलर रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया था। ट्रम्प का कहना था कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है।

गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा।

लेबनान के साथ युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच हमले जारी, कई शहरों पर हुए हमले

लेबनान, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच एक दिन पहले ही युद्धविराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा हुई है। हालांकि इसके बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई जारी है। इस्राइली रक्षा बलों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी लेबनानी शहरों याटर और काफरा में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रॉकेट हमले किए। इस्राइल का आरोप है कि हिजबुल्ला के लड़ाके अभी भी इस्राइली सैनिकों और नागरिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। वहीं हिजबुल्ला का कहना है कि उसने दक्षिणी लेबनान शहर राम्या में एक इस्राइली बख्तरबंद गाड़ी को निशाना बनाया। हिजबुल्ला ने आरोप लगाया कि इस्राइली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में कुछ घरों को तबाह किया, जिसका बदला लेते हुए इस्राइली सेना को निशाना बनाया गया।

हिजबुल्ला 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है और संसद व सरकार में इसकी भागीदारी रही है। यह संगठन सामाजिक सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा

जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे इसे जनसमर्थन मिलता है।

एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल और लेबनान तीन सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे तीन सप्ताह तक गोलीबारी न करने पर सहमत हो गए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा ही होगा। बता दें कि ईरान के समर्थन में लेबनान स्थित हिजबुल्ला संगठन के लड़ाके इस्राइल पर हमले करते हैं। इसके जवाब में बीते दिनों इस्राइल ने भी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बम बरसाए। इस्राइल के इन हमलों में लेबनान में भी कई बेगुनाह लोगों की मौत हुई।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए।

डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई।

डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह

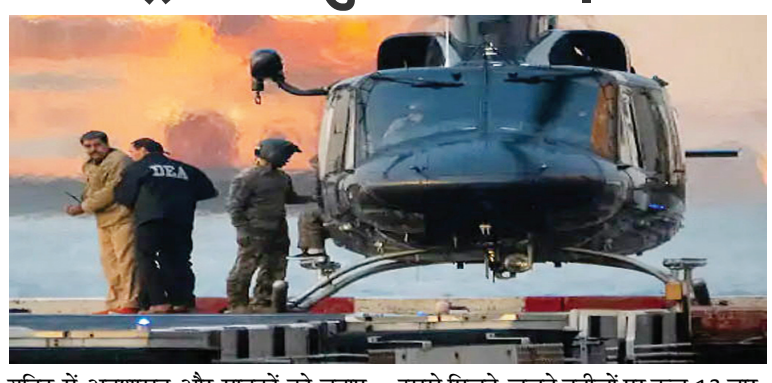

यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर के आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो का तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे। डाइक ने इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा।

यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ।

छुपाने की कोशिश: क्रिप्टो के जरिए पैसे ट्रांसफर

रिपोर्ट्स के मुताबिक वैन डाइक ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई कदम उठाए। पहले उसने रकम को एक विदेशी क्रिप्टो वॉल्ट में भेजा, फिर अपने निजी क्रिप्टो अकाउंट में डाला और बाद में एक नए ब्रोकरेज अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। जब मादुरो को पकड़ने से जुड़ी संदिग्ध सट्टेबाजी की खबरें सामने आने लगीं, तो उसने अपना पॉलीमार्केट अकाउंट डिलीट करने की कोशिश की और झूठ बोला कि उसे अपने ईमेल का एक्सेस नहीं है। हालांकि तब तक जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ गई थी। पॉलिमार्केट ने सोशल मीडिया पर कहा कि जब उन्हें पता चला कि कोई यूजर सीक्रेट सरकारी जानकारी के आधार पर ट्रेड कर रहा है, तो उन्होंने खुद यह मामला जस्टिस डिपार्टमें को सौंप दिया और जांच में सहयोग किया। कंपनी ने कहा कि इस तरह का अंदरूनी सट्टा उनकी नीति के खिलाफ है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.